हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹79086/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹96590/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹105437/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
झाइयां ? (Melasma)
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

तकनीकी खराबी से कोच्चि लौटा विमान

कोच्चि। अबू धाबी के लिए रवाना हुआ इंडिगो का एक विमान दो घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार देर रात कोच्चि लौट आया। सूत्रों ने बताया कि विमान में 180 से अधिक यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। सूत्रों ने बताया कि उड़ान 6ई-1403 शुक्रवार रात 11 बजकर 10 मिनट पर कोच्चि से रवाना हुई और तकनीकी खराबी के कारण रात लगभग 1:44 बजे शहर लौटी।

तीन दिन पूर्व ईडी ने रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजिम में 28 ठिकानों पर की थी छापे की कार्रवाई

डीएमएफ राशि का बीज निगम में दुरुपयोग, चार करोड़ कैश के साथ 10 किलो चांदी की ईंट जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

350 करोड़ रुपए का डीएमएफ घोटाले में ईडी ने नया खुलासा किया है। ईडी ने बताया है कि डीएमएफ की राशि का दुरुपयोग बीज निगम के जरिया किया गया। अफसरों ने बीज निगम के माध्यम से जो खरीदी की उसमें 60 फीसदी तक कमीशन लिया। कलेक्टर को 40 फीसदी कमीशन मिलता था। कमीशन की 20 फीसदी रकम नीचे तक बंटती थी।

दलालों के जरिए कमीशन की रकम ऊपर तक भेजी गई। तीन-चार सितंबर को रायपुर, भिलाई-दुर्ग तथा राजिम में की गई कार्रवाई में चार करोड़ रुपए कैश के साथ 10 किलो चांदी की ईंट जब्त की है। साथ ही आपत्तिजनक दस्तावेज के साथ डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

ईडी के मुताबिक 2 दिनों तक चली जांच में ठेकेदारों, वेंडर्स और लाइजनरों के ऑफिस और निवास पर छापे की कारवाई की गई थी। ईडी की टीम ने जिन लोगों के यहां छापे की कार्रवाई की थी, वे सभी राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से जुड़े कारोबारी के साथ अन्य लोग हैं। ईडी के अनुसार डीएमएफ घोटाले की परतें इन्हीं नेटवर्क के जरिए खुल रही हैं। ईडी ने यह कार्रवाई ईओडब्लू तथा एसीबी द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर किए जाने की बात कही। एफआईआर में ठेकेदारों, वेंडर्स और सरकारी अधिकारियों पर आरोप लगाए गए थे। खनन प्रभावित इलाकों के लिए बनी डीएमएफ राशि का दुरुपयोग किया गया।

60 फीसदी तक कमीशन, कलेक्टर को 40 सीईओ 5, एसडीओ 3 फीसदी कमीशन लेते थे

डीएमएफ घोटाले में कृषि कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी ने बोला धावा

निलंबित आईएएस रानू के कार्यकाल में गड़बड़ी

21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क हो चुकी है

डीएमएफ घोटाला में ईडी पूर्व में 21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी तौर पर कुर्क कर चुकी है। विशेष पीएमएलए कोर्ट, रायपुर में दाखिल अभियोजन शिकायत में 16 आरोपियों को नामजद किया गया है। इस केस में अब तक निलंबित आईएएस रानू साहू, राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी माया वॉरियर और मनोज कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ऐसे किए घोटाले

ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि घोटालेबाजों ने बीज निगम के जरिए डीएमएफ की करोड़ों की राशि खर्च दिखाकर हेरफेर किया। वेंडर्स और ठेकेदारों को कृषि उपकरण, पल्वराइजर, मिनी दाल मिल और बीज सप्लाई करने के नाम पर ठेके दिए गए। इन ठेकों पर 40 से 60% तक कमीशन वसूला गया, जिसे लाइजनरों के जरिए अफसरों और नेताओं तक पहुंचाया जाता था। ईडी के मुताबिक सिर्फ इसी प्रक्रिया में करीब 350 करोड़ रुपए की डीएमएफ राशि के दुरुपयोग का अंदेशा है।

यह है डीएमएफ घोटाला

ईडी की रिपोर्ट के आधार पर डीएमएफ घोटाला में ईओडब्लू ने आईपीसी की धारा 120-बी, 420 के तहत अपराध दर्ज किया है। इस केस में यह तथ्य निकल कर सामने आया है कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितताएं की गईं है। ईडी के तथ्यों के मुताबिक टेंडर करने वाले संजय शिंदे, अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, ऋषभ सोनी और बिचौलिए मनोज कुमार द्विवेदी, रवि शर्मा, पियूष सोनी, पियूष साहू, अब्दुल और शेखर नाम के लोगों के साथ मिलकर पैसे कमाए गए।

ऐसे हुई बंदरबांट

अफसरों ने डीएमएफ का जमकर दुरुपयोग किया। बीज निगम के जरिए खरीदी की। उसमें 60 फीसदी तक कमीशन वसूला। डीएमएफ घोटाला मामले में कलेक्टर को 40%, सीईओ 5%, एसडीओ 3% और सब इंजीनियर को 2% कमीशन मिला। डीएमएफ के वर्क प्रोजेक्ट में घोटाला करने फंड खर्च के नियमों को बदला गया था।

घोटाला करने प्रावधानों में बदलाव

डीएमएफ घोटाला करने प्रावधानों में बदलाव करने के साथ नए प्रावधान जोड़े गए। नए प्रावधानों में मटेरियल सप्लाई, ट्रेनिंग, कृषि उपकरण, खेल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की कैटेगरी को जोड़ा गया, ताकि संशोधित नियमों के सहारे डीएमएफ के तहत जरूरी डेवलपमेंट वर्क को दरकिनार कर अधिकतम कमीशन वाले प्रोजेक्ट को अप्रूव किया जा सके। इसकी पुष्टि ईओडब्लू, एसीबी द्वारा कोर्ट में पेश किए गए 6 हजार पेज के चालान से हुई है।

रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम : साय

एम्स रायपुर में 'देव हस्त' सीएम ने किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने स्वयं किया 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित टाटीबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मध्य भारत के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के प्रथम रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम 'देव हस्त' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं ▶▶| शेष पेज 6 पर

20 महीने में पांच नए मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 20 महीनों में सरकार बनने के बाद राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति मिली है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर में 5,000 बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय मात्र एक मेडिकल कॉलेज ▶▶| शेष पेज 6 पर

नामकरण प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कार

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने 'देव हस्त' के नामकरण हेतु आयोजित प्रतियोगिता की विजेता सुश्री ज्योत्स्ना किराडू को पांच हजार रुपए की पुरस्कार राशि भेंट की। कार्यक्रम में एम्स रायपुर के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) डॉ. अशोक जिंदल, विभागाध्यक्ष डॉ. देवज्योति मोहंती, बड़ी संख्या में चिकित्सा छात्र और गणमान्यजन उपस्थित थे।

सरकार की सख्ती के बाद तस्करों का नया पैंतरा

अंधेरे में रेत खनन, सुबह होते ही मशीनें गायब

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

मानसून का समय है। बारिश में 10 जून से लेकर 10 अक्टूबर तक रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। साय सरकार ने सख्ती करते हुए सभी घाटों को पूर्ण रूप से बंद भी कराया था, वहीं कई घाट में पानी भरने के कारण भी उत्खनन बंद है। प्रदेश के कई जिलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई की वजह से अवैध खनन बंद हुआ है। वहीं रेत माफिया बाज नहीं आ रहा। शाम होते ही मशीनों से रेत खनन किया जा रहा है। सुबह होते ही मशीनों गायब कर दी जाती हैं।

हरिभूमि को रायपुर जिले के ग्राम सेमरा का एक विडियो मिला है। इस विडियो में ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास खबर

अफसरों ने कहा, शिकायत पर कार्रवाई करेंगे, अंधेरे में गश्त होगी

जांच कर कार्रवाई करेंगे

ग्राम सेमरा के नदी से रेत निकाली जा रही है। इसकी जानकारी नहीं, लेकिन इसकी जांच कर कार्रवाई करेंगे। ग्राम सेमरा, लखना घाट में अवैध रूप से उत्खनन-परिवहन की शिकायत पहले भी आ चुकी है। उस समय टीम को कुछ नहीं मिला था। ऐसी जानकारी भी मिली थी कि मनीष नामक कोई व्यक्ति यह करा रहा है। इस बारे में भी पता लगाया जाएगा।

- रवि सिंह, एसडीएम, अभनपुर

ड्रोन कैमरे में कैद तस्वीरें बता रहीं नदी में चल रहा उत्खनन

पड़ताल के दौरान ग्राम सेमरा नदी घाट की ड्रोन से तस्वीरें भी ली गई हैं। ये तस्वीरें बता रही हैं कि नदी में अभी भी रेत का उत्खनन किया जा रहा है। नदी के बीच में उत्खनन के कारण गड्ढे हो गए हैं, वहीं इस नदी के किनारे खुली जगह पर रेत के अवैध भंडारण भी मिले। इसके अलावा जिस रास्ते से रेत से भरी गाड़ियां निकाली जा रही हैं, उस रास्ते पर ▶▶| शेष पेज 6 पर

40 करोड़ की संपत्ति कुर्की के बाद मोक्षित की कार अटैच

रायपुर। रीएजेंट तथा उपकरण घोटाला में ईडी ने मोक्षित कार्पोरेशन की दो लक्जरी कार अटैच की है। इस बात की जानकारी ईडी ने एक्स में ट्विट कर दी है। दोनों गाड़ियां मोक्षित कॉर्पोरेशन के नाम पर रजिस्टर्ड हैं, जो शशांक चोपड़ा और उसके पिता शांतिलाल चोपड़ा की पार्टनरशिप फर्म है। शनिवार को ईडी ने बयान जारी कर बताया कि 28 अगस्त को दुर्ग में रीएजेंट प्रिक्योरमेंट स्कैम से जुड़े शशांक चोपड़ा और अन्य आरोपियों के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की गई थी। इसके बाद उनकी गाड़ियों को सीज किया गया। कार अटैचमेंट की कार्रवाई के बाद माना जा रहा है कि जल्द ही हेल्थ सर्विसेज के अधिकारियों पर ईडी जल्द ही शिकंजा कसेगी।

एमबीबीएस के छात्र ने एग्जाम से पहले लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट ने फांसी लगा ली है। शनिवार को हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटकती लाश मिली है। बताया जा रहा है कि युवक बैकलॉग के कारण परेशान था। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

■ चौथा पेपर देने नहीं पहुंचा छात्र तो मामले की हुई जानकारी

मिली जानकारी के मुताबिक मृत एमबीबीएस छात्र का नाम हिमांशु कश्यप 21 वर्ष है। मृतक हिमांशु मूल रूप से बिलासपुर जिले का रहने वाला था। जो हॉस्टल के कमरा नंबर ए 13 में अपने साथी छात्र पुष्पराज के साथ रह रहा था। यहीं हिमांशु ने फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली है। शनिवार की दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक फार्माकोलॉजी का एग्जाम था। पुलिस जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले हिमांशु ने पास की दुकान से रस्सी खरीदी थी। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में वह रस्सी खरीदते हुए दिखाई दिया। इसके बाद जब वह परीक्षा देने नहीं पहुंचा, तो साथी छात्रों और कॉलेज प्रशासन ने उसकी खोजबीन शुरू की। ▶▶| शेष पेज 6 पर

बैकलॉग्स से तनाव में था हिमांशु

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ.गोपाल कंवर ने कहा कि हिमांशु तीन पेपर पहले ही दे चुका था। शनिवार को उसका चौथा पेपर होना था। पिछले एक साल से वह पढ़ाई में बैकलॉग कर रहा था। इसी वजह से मानसिक तनाव में था। एग्जाम से गैरहाजिर रहने के बाद उसकी तलाश शुरू हुई और पूरी घटना सामने आई।

सदमे में हॉस्टल के छात्र

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में सुसाइड की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे को परिजनों के आने तक सील कर दिया गया है। हिमांशु के परिवार को घटना की सूचना दी गई। परिजनों के आने तक शव को फंदे से नहीं उतारा गया था। इस घटना से मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रह रहे लगभग 150 छात्र सदमे में हैं। सहपाठियों का कहना है कि हिमांशु पढ़ाई को लेकर अक्सर दबाव में रहता था। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिसर को शोकाकुल कर दिया है।

एक-एक गांव तक जाऊंगा और डीएमएफ का फायदा दिलाने का करूंगा काम

टिकट के सवाल पर कहा, यह वक्त बताएगा कि पार्टी टिकट देगी या नहीं

भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष रवि भगत का बड़ा बयान हर हाल में लड़ूंगा विस चुनाव, मैंने तैयारी शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रवि भगत ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि मैं हर हाल में विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। उनका कहना है वे एक-एक गांव तक जाएंगे और गांवों को डीएमएफ का पैसा दिलाने का काम करेंगे। डीएमएफ के पैसों की लड़ाई तो

खास खबर

जारी ही रहेगी। भाजपा से मिले नोटिस को लेकर कहा, मैं अपना जवाब दे चुका हूं, इसके बाद पार्टी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है, लेकिन मुझे पार्टी की बैठकों में भी बुलाया जा रहा है। डीएमएफ की राशि को लेकर रवि भगत के बयान के बाद उनको भाजपा के प्रदेश संगठन ने नोटिस थमाया था। इसका जवाब तो रवि भगत ने तय समय पर दे दिया है, लेकिन उनके जवाब से पार्टी संगठन संतुष्ट हैं या नहीं इसका जवाब भाजपा का कोई नेता नहीं दे रहा है। इस बारे में रवि भगत से हरिभूमि ने पूछा तो उन्होंने कहा, मैंने अपना पक्ष पार्टी को भेज दिया है, अब जो फैसला करना है पार्टी को करना है। मेरे पास इसको लेकर अब तक और कोई पत्र नहीं आया है। लेकिन इतना ▶▶| शेष पेज 6 पर

अब एक मात्र लक्ष्य चुनाव लड़ना

रवि भगत ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा, अब मेरा एकमात्र लक्ष्य विधानसभा का चुनाव लड़ना है। इसके लिए मैंने तैयारी भी प्रारंभ कर दी है और गांवों का दौरा भी कर रहा हूं। मैं अपने क्षेत्र के एक-एक गांव का दौरा करूंगा और गांवों की जरूरत के हिसाब से उनको डीएमएफ फंड से मदद दिलाने का भी काम किया जाएगा। डीएमएफ के पैसों से गांवों का ▶▶| शेष पेज 6 पर

पार्टी टिकट देगी या नहीं यह समय बताएगा

मैं न तो अपनी पार्टी का विरोधी हूं और न ही किसी विधायक का विरोधी हूं। मैं बस चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र के गांवों के विकास पर डीएमएफ का पैसा खर्च हो। चुनाव किस पार्टी से लड़ेंगे के सवाल पर उनका कहना है कि चुनाव तो मैं भाजपा से ही लड़ूंगा। अगर पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो क्या करेंगे के सवाल पर श्री भगत कहते हैं कि उस समय की स्थिति को देखते हुए फैसला लिया जाएगा, लेकिन यह बात तय है विधानसभा का चुनाव तो मैं जरूर लड़ूंगा।

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी

बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]

डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]

महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग

9131880895, 8319870997

6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर

83700 77700, 7024125200

बर्बादी की बारिश... बस्तर में 19 करोड़ से बनाने होंगे पुल और रास्ते

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

दो दिन की बारिश से संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा जिले में पुल, पहुंच मार्ग की हुई तबाही

बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिले में पुल एवं पहुंच मार्ग की दो दिन में बारिश और बाढ़ से तबाही हुई। बारिश और बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए सड़कों और पुलों की मरम्मत के लिए 19 करोड़ 2 लाख 70 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे परिवहन मार्ग सुचारू रूप से बहाल हो सकें और लोगों को आवागमन में आसानी हो सके। इसके लिए लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण जगदलपुर संभाग ने अनुमानित राशि रखी है। बस्तर जिले के नानगुर-नेतानार से कोलेंग मार्ग के कांगेर नदी का पुल के पहुंच मार्ग, जगदलपुर-चित्रकोट से बारसूर मार्ग मादर नाला पुल के दोनों ओर पहुंच मार्ग, तुरागुर-पटेलपारा से रामधरपारा, लालागुड़ा-आजेर मार्ग का पुल पहुंच मार्ग क्षतिग्रस्त हुए। वहीं, दंतेवाड़ा-बायपास डंकनी-शंकनी नदी पर पुल का स्लेब गिरा होने से नए पुल निर्माण की जरूरत है। पल्ली-बारसूर में मादर नदी के पुल इतना क्षतिग्रस्त कि उस जगह में नए पुल निर्माण की आवश्यकता है। मेटापाल मार्ग में कोयरगांव नाला पहुंच मार्ग अत्यधिक क्षतिग्रस्त हुआ। सुकमा जिले के सुकमा-मलकानगिरी मुख्य जिला मार्ग में शबरी नदी का पुल पहुंच मार्ग, तोंगपाल-मारेंगा मार्ग में मारेंगानाला पुल का पहुंच मार्ग एवं कुकानार-गादीरास में फूलनदी के पुल का पहुंच मार्ग क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों को हो रही परेशानी

क्षतिग्रस्त पहुंच मार्ग और पुलों से स्थानीय लोगों को परेशानी होती है, खासकर उन ग्रामीण इलाकों में जहां आवागमन के अन्य साधन सीमित हैं। इन मरम्मतों से लोगों को दैनिक जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने और सामान्य जनजीवन बहाल करने में मदद मिलेगी।

ढांचा को स्वीकृति का इंतजार

लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण जगदलपुर संभाग के एसडीओ संतोष दास ने इस संबंध में कहा कि बारिश एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचा किया गया है। इसकी स्वीकृति होने पर निविदा किया जाएगा, उसके बाद मरम्मत की जाएगी।

खबर संक्षेप

देशी शराब बेचने ग्राहक तलाशते बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। देशी शराब की बिक्री के लिए सुनसान इलाके में बैठकर ग्राहक की तलाश करने वाले बदमाश दयानंद उर्फ बोदू साहू को खमतराई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सूचना मिली थी कि सूखा मैदान रावांभाठा के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध रूप से शराब बिक्री के लिए रखा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वहां बैठे बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी एवं सफेद रंग के प्लास्टिक झोले से कुल 102 पौवा देशी मसाला शराब बरामद की। आरोपी को धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

दुकान में चोरी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सुराना मार्केट सिटी सेंटर मॉल के पीछे पंडरी रायपुर मे अमृत हाउस आफ कारीगरी नामक दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चोरों ने दुकान के गल्ले में रखे 25 हजार रुपए पर हाथ साफ कर दिया था। शिकायत पर देवेंद्र नगर पुलिस ने अपराध दर्ज जांच शुरू की और तेलीबांधा निवासी आशीष यादव पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपने दो साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उनके कब्जे से चोरी की नकद रकम 25 हजार रुपए जब्त की गई।

घर के सामने कार खड़ी करने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। घर के सामने कार खड़ी करने के विवाद पर दो लोगों के बीच मारपीट हो गई। इंद्रप्रस्थ फेस-2 में रहने वाले राजेंद्र साहू को अपने घर के सामने कार खड़ी करने पर आपत्ति थी। उसने इस बात को लेकर आपत्ति की, मगर नितिन पारेख ने उसे नजरअंदाज कर दिया। इससे राजेंद्र का गुस्सा भड़क गया और उसने नितिन की पिटाई कर दी। नितिन की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने राजेंद्र के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

टाइल्स शॉप से एसी की कॉपर वायर पार

रायपुर। टिकरापारा क्षेत्र में एक दुकान में लगे एसी के कॉपर वायर पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। बताया जाता है कि तेलीबांधा में रहने वाला दिलीप आहूजा पचपेड़ी नाका में हिंदुस्तान टाइल्स का संचालन करता है। दुकान में लगा एसी काम नहीं करने की शिकायत पर उसने जांच की तो पता चला कि उसमें लगा कॉपर वायर किसी ने पार कर दिया है। दिलीप की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा व एसटीएफ की टीम हुई थी रवाना

माड़ मुठभेड़ में मारी गई 8 लाख की ईनामी प्लाटून नंबर 16 की हार्डकोर कमांडर विमला

नारायणपुर जिले के माड़ में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा व एसटीएफ की संयुक्त टीम 4 सितम्बर को अभियान पर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान नक्सलियों की के साथ 5 सितम्बर की सुबह प्लाटून नंबर 16 के साथ संयुक्त टीम की मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षाबलों ने एक महिला माओवादी को मार गिराया था। मारी गई महिला नक्सली की शिनाख्त प्लाटून नंबर 16 की कमांडर और पीपीसी सचिव विमला निवासी डब्बाकोंटा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा के रूप में हुई है जिस पर 8 लाख रूपए का ईनाम घोषित था। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़स्थल से भारी मात्रा में बंदूक व विस्फोटक बरामद किया है।1

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/नारायणपुर

एसपी नारायणपुर रोबिनसन गुड़िया ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की खबर पर ओरछा थाना क्षेत्र के ग्राम बोण्डोस, नेंदुर, गवाडी और आसपास के जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया गया था। 5 सितंबर को जैसे ही पुलिस पार्टी नेंदुर-गवाडी के जंगल, पहाड़ क्षेत्र में पहुंची माओवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। एसपी ने बताया कि नक्सलियों की प्लाटून 16 माड़ डिविजन अंतर्गत सक्रिय रहकर कई नक्सल घटनों में शामिल रहा है। न्यू कैम्प एडजूम स्थापित होने से इंद्रावती और पूर्व बस्तर क्षेत्र के नक्सलियों में घबराहट है। अबूझमाड़ अब नक्सलियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा और लगातार मानसून में चुनौतीपूर्ण परिस्थियों में भी ऑपरेशन से नक्सलियों की कमर टूट चुकी है। अबूझमाड़ से नक्सलवाद को समाप्त करने के निर्णायक चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं। जो लोग नक्सलवाद की खोखली विचारधारा से भ्रमित हैं और विकास की राह में बाधा बन रहे हैं, उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मानपूर्वक जीवन अपनाकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए अन्यथा उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि पूरे बस्तर संभाग में प्रतिबंधित व अवैध माओवादी संगठन सीपीआई-माओवाद के विरुद्ध एक सशक्त अभियान जारी है। बस्तर पुलिस इस अभियान की गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मानसून जैसी विषम परिस्थिति में भी यह सफलता सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है कि बस्तर में स्थायी शांति, प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।

मिले हथियार व अन्य सामान, कई नक्सलियों के घायल होने की खबर

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए हैं। इनमें 303 रायफल, 315 बोर रायफल, बीजीएल लांचर, बीजीएल सेल, 19 किलो तरल विस्फोटक (जिलेटिन स्टिक) एमएम, रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक स्वीच व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया है। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर खून के धब्बे मिले हैं। जिससे अनुमान है कि कई नक्सली गोली लगने से घायल हुए हैं। यह ऑपरेशन आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी, डीआईजी कांकेर अमित कांबले, डीआईजी दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप, एसपी नारायणपुर रोबिनसन गुड़िया, एसपी दंतेवाड़ा गौरव राय समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाया गया था।

कर्मचारियों की ओर से दाखिल सभी याचिकाएं खारिज

बिलासपुर। सचिवालय सेवा भर्ती नियम 2012 में किए गए संशोधन को संवैधानिक मानते हुए कर्मचारियों की ओर से दाखिल सभी याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया है कि पदोन्नति कर्मचारियों का मौलिक अधिकार नहीं है, बल्कि यह केवल विचार किए जाने का अवसर है।

कोर्ट ने कहा- पदोन्नति कर्मचारियों का अधिकार नहीं है, बल्कि केवल नियमों के आधार पर अवसर है

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल और न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल की डबल बेंच में हुई। दरअसल, राज्य सरकार ने 14 जून 2021 को अधिसूचना जारी कर संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव और अनुभाग अधिकारी के पदों पर पदोन्नति के लिए स्नातक डिग्री अनिवार्य कर दी थी। इस संशोधन को मंत्रालय में कार्यरत अनुभाग अधिकारी, असिस्टेंट ग्रेड-1 समेत अन्य कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में यह कहते हुए चुनौती दी कि सेवा के अंतिम चरण में नियम बदलना अनुचित है। याचिकाकर्ता वर्षों से फीडर के पदों पर काम कर रहे हैं। कई तो सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं। उनका तर्क था कि यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है और सरकार ने अतिरिक्त योग्यता अनिवार्य करने का कोई ठोस कारण नहीं बताया है। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब में कहा कि उच्च पदों पर अधिक जिम्मेदारियां होती हैं, इसलिए स्नातक डिग्री जैसी न्यूनतम योग्यता जरूरी है। पदोन्नति कर्मचारियों का अधिकार नहीं है, बल्कि केवल नियमों के आधार पर अवसर है।

हाथियों का आतंकः कांसाबेल में चर्च में तोड़फोड़ और खाद्य सामग्री किया चट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

हाथियों का आतंक जिले के लोगों के लिए रोजमर्रा की समस्या बन गई है। कभी खेत उजाड़ना, कभी घर तोड़ना तो कभी धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाना। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब हाथियों का उत्पात जिले में न दिखे। बीती रात कांसाबेल विकासखंड के दोकड़ा गांव में हाथियों ने बिलिव्रस ईस्टर्न चर्च को अपना निशाना बनाया। ग्रामीणों के अनुसार, रात करीब ग्यारह बजे अचानक चार हाथी गांव में घुस आए। ये हाथी सीधे चर्च की ओर बढ़े और वहां जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने चर्च की चारदीवारी को ध्वस्त कर दिया और पीछे बने कमरे को भी तहस-नहस कर दिया। कमरे में रखे बर्तन, खाद्यान्न और चावल को उन्होंने चट कर डाला।

समाजसेवा कार्यों के लिए रखा गया अन्य सामान भी हाथियों ने रौंद दिया। हाथियों की गर्जना और तोड़फोड़ से पूरा इलाका गूंज उठा। शोर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने मशालें और टॉर्च जलाकर, ढोल पीटकर और शोर मचाकर हाथियों को भगाने की कोशिश की। सामूहिक प्रयास से हाथी तो जंगल की ओर लौट गए, लेकिन तब तक वे चर्च और उसके आसपास भारी नुकसान कर चुके थे।

पहले से डेरा डाले हुए थे हाथी

ग्रामीणों का कहना है कि ये वही चार हाथी हैं जो बीते एक सप्ताह से इलाके में विचरण कर रहे हैं। इनमें से तीन हाथी पत्थलगांव क्षेत्र से आए हैं, जबकि एक हाथी सीतापुर इलाके से भटककर आया है। पिछले कुछ दिनों में इन हाथियों ने गांव के खेतों और बाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया था, लेकिन चर्च पर हमला ग्रामीणों के लिए चौंकाने वाला रहा।

वन विभाग की टीम सक्रिय

वन विभाग की रेंजर प्रभावती चौहान ने बताया कि विभाग की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। घटना में हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावितों को शीघ्र ही मुआवजा राशि दिलाई जाएगी। चौहान ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के दल के पास न जाएं और किसी भी घटना की सूचना दें।

पिछली बार ओवरएज की नियुक्ति को लेकर हो चुका है विवाद

भाजयुमो में अंडर 35 को ही मिलेंगे पद, नहीं चलेंगे ओवरएज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन की नई कार्यकारिणी के साथ सात मोर्चा के अध्यक्ष भी घोषित हो गए हैं। भाजयुमो का अध्यक्ष राहुल टिकरिहा को बनाया गया है। उनको अध्यक्ष बनाने के पीछे एक बड़ा कारण उनकी उम्र भी है। वे 35 साल से कम के हैं। इस बार तय है कि संगठन चुनाव में जिस तरह से मंडल अध्यक्ष के लिए 45 साल और जिलाध्यक्ष के लिए 60 साल उम्र की बाध्यता थी, उसी तरह से भाजयुमो अध्यक्ष के बाद अब अन्य पदाधिकारियों के लिए अंडर 35 साल की बाध्यता रहेगी। पिछली बार प्रदेश भाजयुमो की कार्यकारिणी में ओवरएज को पदाधिकारी बनाने के कारण बड़ा विवाद हुआ था। ओवरएज को बाहर करने की भी तैयारी थी, लेकिन ऐन समय पर भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी के बदले जाने के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। भाजयुमो की कार्यकारिणी का ऐलान इसी माह हो जाएगा। भाजयुमो के साथ ही सभी मोर्चा को अपनी कार्यकारिणी इस माह बनाने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा का राष्ट्रीय संगठन इस बार भाजपा संगठन के चुनाव को लेकर बहुत गंभीर है। बीते साल सितंबर में भाजपा के सदस्यता अभियान के बाद प्रदेश संगठन के चुनाव हुए तो इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि किसी भी हाल में मंडलों के अध्यक्षों की उम्र 45 साल से ज्यादा न हो। कुछ स्थानों पर तो जिनके नाम का समर्थन भाजपा के दिग्गज नेताओं ने किया था, उनकी उम्र ज्यादा होने के कारण उनको भी अध्यक्ष नहीं बनाया गया। इससे साफ है कि भाजपा इस बार कितनी गंभीर है। इसी तरह से जिलाध्यक्षों को लेकर भी 60 साल की उम्र सीमा का ध्यान रखा गया। पूरे प्रदेश में कहीं भी 60 साल से ज्यादा उम्र के किसी को भी जिलाध्यक्ष नहीं बनाया गया है।

अंडर 35 ही बनेंगे पदाधिकारी

यह बात तय है कि भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष की कमान जिस तरह से 33 साल के राहुल टिकरिहा को दी गई है, उससे साफ है कि उनकी कार्यकारिणी में भी सभी पदाधिकारी 35 साल से अंदर के होंगे। पिछली बार भी पहले अमित साहू को अंडर 35 होने के कारण अध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर बड़ा विवाद हुआ। भाजपा के दिग्गज नेताओं के कहने पर कार्यकारिणी में कुछ ओवरएज नेताओं को पद दे दिए गए, लेकिन इसकी शिकायत उस समय की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी तक गई तो उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी के साथ पूरे प्रदेश के जिलाध्यक्षों की कुंडली भी बनवा ली। इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी के साथ कुछ जिलों के अध्यक्षों को भी बाहर करने की तैयारी हो गई थी, लेकिन डी. पुरंदेश्वरी के प्रदेश प्रभारी के पद से हटने के बाद अंततः यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया। पिछली बार के विवाद को देखते हुए इस बार प्रदेश संगठन ने पूरी सावधानी रखने का फैसला किया है। ऐसे में तय है कि इस बार भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष के बाद प्रदेश कार्यकारिणी के साथ जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में अंडर 35 पर ही फोकस होगा।

20 एकड़ से अधिक फसल नुकसान का अनुमान

दिन के समय हुई घटना, टला बड़ा हादसा, आला अधिकारियों ने किया निरीक्षण, लिया नुकसान का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

लुत्ती के बाद टूटा गेरसा का बांध

अहिराज सांप के बिल से शुरू हुआ था रिसाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

खास खबर

बलरामपुर जिले के लुत्ती बांध के बाद लुंड्रा में गेरसा बांध टूट गया है। शनिवार की सुबह सुबह बांध का एक बड़ा हिस्सा धराशायी हो गया। गनीमत रही कि घटना दिन के उजाले में हुई और बांध के आस पास कोई रिहायशी बस्ती नहीं है, जिससे बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। बांध के टूटने से लगभग 20 एकड़ में लगी फसल पानी में तबाह हो गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद कलेक्टर के साथ ही आला अधिकारी और विभाग की टीम मौके ओर पर पहुंची हुई है। ⏭शेष पेज 6 पर

लोग सुरक्षित, फसलें तबाह

गेरसा बांध के टूटने की घटना दिन के समय हुई। अच्छी बात यह है कि बांध के आस पास रिहायशी मकान नहीं है। बांध के पास लोगों के खेत है। बांध टूटने से किसानों की लगभग 20 एकड़ में लगी धान की फसल के तबाह होने की बात कही जा रही है। घटना के बाद अधिकारियों ने प्रभावित गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क ⏭शेष पेज 6 पर

1990 में बनकर तैयार हुआ था बांध

बताया जा रहा है कि ग्राम गेरसा में सिंचाई विभाग के इस बांध का निर्माण 1988 में शुरू हुआ था। लघु सिंचाई परियोजना के तहत बांध 1990 में बनकर तैयार हुआ। इस बांध से लगभग 142 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ ⏭शेष पेज 6 पर

मरम्मत कार्य शुरू

गेरसा बांध के निर्माण 1990 में किया गया था। लघु सिंचाई योजना के इस बांध में 12 से 13 मीटर तक पानी भरा हुआ था। इस घटना से किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। नुकसान का आंकलन करने के साथ ही बांध के मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षतिग्रस्त होने के बाद भी बांध में 65 प्रतिशत पानी शेष रहेगा।

- अशोक निरंजन, ईई
जल संसाधन विभाग

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीजेआई गवई पहुंचे बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी

काठमांडू। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई शनिवार को भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे। न्यायमूर्ति गवई इस समय चार दिन की नेपाल यात्रा पर हैं। लुंबिनी पहुंचने पर उनका स्वागत लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ल्हारक्याल लामा ने किया। लुंबिनी में उन्होंने मायादेवी मंदिर परिसर का दौरा किया।

एसयूवी पलटने से तीन छात्रों की मौत, 8 घायल

राजकोट। गुजरात के राजकोट जिले में राजमार्ग पर एक एसयूवी पलट जाने से इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान नरेश कोडावती (19), मोती हर्षा (17) और अफरीद सैयद (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आंध्र प्रदेश से थे। यह दुर्घटना जसदन तालुका के जंगवाड गांव के पास देर रात करीब डेढ़ बजे हुई, छात्रों का एक समूह दीव जा रहा था।

मुंबई पुलिस को बम की धमकी, गिरफ्तार

नोएडा। मुंबई पुलिस को कथित तौर पर धमकी भरा संदेश भेजने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। संदेश में दावा किया गया था कि 14 आतंकवादी 400 किलोग्राम आरडीएक्स लेकर मुंबई में घुस गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अश्विनी कुमार के रूप में हुई है और वह बिहार का रहने वाला है।

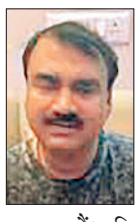

इंडियन बैंक सुरक्षित वेब पोर्टल पर स्थानांतरित

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट का डोमेन बदलकर 'इंडियन बैंक डॉट बैंक डॉट इन' कर दिया है। पूरी कवायद का मकसद धोखाधड़ी के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय करना और डिजिटल बैंकिंग समाधानों में जनता का भरोसा बढ़ाना है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान के तहत पहल की है।

अभिनेता वारंग का 55 वर्ष की आयु में निधन

मुंबई। 'सूर्यवंशी' और 'दृश्यम' जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए जाने जाने वाले अभिनेता आशीष वारंग का 55 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया है। एक पोस्ट में कहा गया, गहरे दुख के साथ हमें यह सूचित करना पड़ रहा है कि आशीष वारंग का पांच सितंबर को निधन हो गया, वह बीमारी से बहादुरी से जूझ रहे थे।

टूट रही है दोस्ती के बीच की 'दीवार'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ चल रहे टैरिफ विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की, तो पीएम नरेंद्र मोदी ने भी एक कदम आगे बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह मोदी जी से हमेशा दोस्ती रखेंगे, वे एक महान प्रधानमंत्री हैं।

टैरिफ वार के बीच रंग लाई भारत की 'चुप्पी' कूटनीति, अमेरिका के साथ रिश्तों में गर्माहट के मिलने लगे संकेत

पीएम मोदी ने सुनी ट्रंप के 'मन की बात'

भारत और अमेरिका के बीच विशेष रिश्ते, चिंता की कोई बात नहीं: ट्रंप

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका और भारत के मध्य मौजूदा तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच 'विशेष संबंध' हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में कहा, मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा... वह शानदार प्रधानमंत्री हैं, लेकिन मुझे इस समय उनके द्वारा किए जा रहे काम पसंद नहीं आ रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध है, चिंता की कोई बात नहीं है। बस कभी-कभी कुछ ऐसे पल आ जाते हैं। राष्ट्रपति इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वह भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध पिछले दो दशकों में संभवतः सबसे खराब ⏭शेष पेज 6 पर

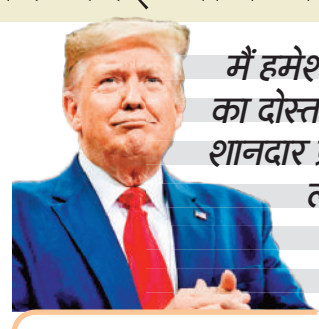

मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा... वह शानदार प्रधानमंत्री हैं लेकिन उनके काम पसंद नहीं आ रहे

रूस से तेल खरीदने पर जताई निराशा

ट्रंप ने कहा, मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बताया कि हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया है - 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा शुल्क। जैसा कि आप जानते हैं, मोदी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, वह कुछ महीने पहले यहां आए थे।

हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया :

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट में कहा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के नेता शी चिनफिंग के साथ मोदी की एक पुरानी तस्वीर भी पोस्ट की थी।

मोदी ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति की सकारात्मक राय का करता हूं समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के "सकारात्मक" आकलन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले ट्रंप ने दोनों देशों के "विशेष" संबंध की सराहना की थी, जिसे दोनों देशों रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे, लेकिन मोदी इस समय जो कर रहे हैं, वह उन्हें पसंद नहीं आया। मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं...

17 जून के बाद पहली बार बयान

दोनों नेताओं ने 17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में बयान दिए हैं। भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था।

ट्रंप के आक्रामक तेवर और भारत का धैर्य :

दरअसल, दूसरी बार सत्ता में लौटने के बाद ट्रंप का रुख पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक रहा है। भारत भी उनकी इस आक्रामकता से अछूता नहीं रहा। कभी पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए, तो कभी भारत के खिलाफ सख्त बयान दिए, लेकिन दिलचस्प यह रहा कि भारत ने ज्यादातर मौकों पर संयमित चुप्पी साधी।

हरिभूमि की खबर के बाद की गई कार्रवाई

बच्ची से उठक बैठक कराने वाली शिक्षिका बर्खास्त प्रभारी प्राचार्य की भी छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

मामूली सी बात पर बच्ची से उठक बैठक कराने और डंडे से मारपीट करने मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हरिभूमि द्वारा प्रकाशित खबर के बाद डीईओ के निर्देश के बाद डीएवी स्कूल प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय संचालक ने छात्रा के साथ अमानवीय व्यव्हार करने वाली शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही प्रभारी प्राचार्य को हटाकर छुट्टी पर भेज दिया गया है। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है और जांच के बाद कार्रवाई होगी।

शिक्षिका ने बच्ची से कराई उठक-बैठक
अब खड़ा होना भी हुआ मुश्किल

बता दें कि सीतापुर क्षेत्र के प्रतापगढ़ में स्थित डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में पढने वाली कक्षा 2री की छात्रा समृद्धि गुप्ता आ. मनोज गुप्ता को स्कूल में शिक्षिका नम्रता गुप्ता द्वारा 100 बार उठक बैठक कराए जाने का सामने आया था। छात्रा के बड़े पिता और पिता ने शुक्रवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत करते हुए मदद की गुहार लगाई थी। परिजन का आरोप है कि स्कूल में जब छात्र ने बाथरूम जाने के लिए अनुमति मांगी तो कक्षा में मोबाइल फोन देख रही नम्रता गुप्ता ने बच्ची के पैर में दो डंडे मारे और फिर कक्षा में उससे उठक बैठक कराया। इतना ही नहीं छात्रा से उठक-बैठक के दौरान भी मारपीट ⏭शेष पेज 6 पर

की गई है कार्रवाई

बच्ची से उठक बैठक कराने और मारपीट को गंभीरता से लिया गया है। इस मामले में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के भिलाई स्थित क्षेत्रीय संचालक को पत्र लिखा गया था। डीएवी प्रबंधन ने शिक्षिका को बर्खास्त करने के साथ ही प्रभारी प्राचार्य को हटा दिया है। इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में अभी जांच जारी है।

-दिनेश झा, डीईओ सरगुजा

बैराबी-सैरांग रेल लाइन

12.8 किमी में 48 सुरंगें और 142 ब्रिज देश की सबसे कठिन परियोजना

8071 करोड़ रुपए कुल लागत

51.38 किमी का रेलखंड

26 साल बाद मिजोरम को मिली रेल कनेक्टिविटी

ऐसे खूबसूरती बढ़ाता है बैराबी-सायरंग रूट

- **12.85** किमी लंबी कुल 48 सुरंग रास्ते में
- **55** बड़े पुलों से गुजरेंगी ट्रेनें
- **87** छोटे पुल भी बनाए गए सेक्शन पर
- **05** आरओबी का निर्माण किया है रेलवे ने
- **06** रोड अंडर ब्रिज का भी हुआ है काम

कुतुबमीनार से भी ऊंचा ब्रिज इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना, दिल्ली, गोहाटी से सीधे पहुंच सकेंगे आइजोल

कुतुब मीनार से ऊंचे 104 मीटर ब्रिज से दौड़ेगी ट्रेन

मिजोरम की राजधानी आइजोल से लौटकर ललित राठोड़

रेलवे की 26 साल की मेहनत के बाद पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल भारतीय रेलवे के नेटवर्क से जुड गई है। 8 हजार 71 करोड़ रुपए की लागत से बनी 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेल परियोजना का उद्घाटन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को कर सकते हैं। भारतीय रेलवे का यह रूट अब देश के सबसे खूबसूरत रेल मार्ग में शामिल हो ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

3 राज्यों के हजारों श्रमिकों ने 11 साल की मेहनत

मोबाइल फोन की कनेक्टिविटी नहीं होने से उनका अपने घरों से संपर्क कटा रहता था। रेलवे के मुताबिक ऐसे में श्रमिकों को रोकना बहुत मुश्किल था। वह अपने पूरे ग्रुप के साथ काम छोड़कर चले जाते थे। सड़क की अपेक्षा ट्रेन रूट का अलाइनमेंट छोटा रखा गया। इस कारण टनल से निकलकर वादियों और वादियों से निकलकर टनल तक का काम चुनौती बढ़ा रहा था। आम रेल ⏭शेष पेज 6 पर

धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ का कलश चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के लाल किला परिसर में आयोजित किये जा रहे एक जैन धार्मिक अनुष्ठान से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का एक कलश चोरी हो गया। अधिकारी ने बताया कि 760 ग्राम सोने से निर्मित इस कलश में हीरे, माणिक और पन्ना सहित करीब 150 ग्राम बहुमूल्य रत्न जड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि यह कलश तीन सितंबर को अनुष्ठान के दौरान चोरी हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सिविल लाइंस निवासी और व्यवसायी शिकायतकर्ता सुधीर जैन प्रतिदिन इस कलश को धार्मिक अनुष्ठान के लिए लाते थे।

संदिग्ध की पहचान

दिल्ली पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां कैद हुई हैं। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। यह धार्मिक अनुष्ठान लाल किला परिसर स्थित 15 अगस्त पार्क में नौ सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

पावागढ़ मंदिर में रोपवे का तार टूटने से छह की मौत

एजेंसी ⏭ हलोल

गुजरात के पंचमहल जिले के प्रसिद्ध पावागढ़ पहाड़ी मंदिर में शनिवार को एक सामान ढुलाई रोपवे का तार टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। एसपी हरेश दुधात ने हादसे में छह मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पुलिस और अग्निशमन दल राहत एवं बचाव कार्यों के लिए मौके पर मौजूद हैं। पावागढ़ मंदिर लगभग 800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। श्रद्धालु मंदिर पहुंचने के लिए या तो लगभग 2000 सीढ़ियां चढ़ते हैं या फिर केबल ⏭शेष पेज 6 पर

पंचमहल में बड़ा हादसा

सामान ढोने वाली बोगी

इस मामले में मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि हादसा टावर नंबर-एक के पास हुआ, जब सामान ढोने वाले बोगी की तार अचानक टूट गई और बोगी नीचे गिर गई। सभी शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने जांच समिति बनाई है और सरकार को प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

देशभर में दिखाई देगा साल का आखिरी चंद्रग्रहण

चंद्रग्रहण आज, 100 साल बाद पितृपक्ष का संयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

चंद्रग्रहण एक प्राकृतिक खगोलीय घटना है, लेकिन धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से इसे बेहद खास माना जाता है। ज्योतिषियों के अनुसार, इस साल अंतिम चंद्रग्रहण 7 सितंबर को लगने वाला है। खास बात यह है कि इस दिन भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि भी होगी। वैसे भी इस बार के चंद्र ग्रहण पर 100 साल बाद पितृ पक्ष का संयोग बन रहा ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

सूतक काल आज दोपहर 12.57 से

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, सूतक काल चंद्रग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले शुरू होगा। सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12.57 से शुरू हो जाएगा। सूतक कॉल 8 सितंबर को रात्रि 1.26 बजे समाप्त होगा। 7 सितंबर को पूर्णिमा का श्राद्ध भी पड़ रहा है। श्राद्ध सूतक कॉल से पूर्व 11.25 बजे से 12.25 बजे तक कर सकते हैं।

चंद्रग्रहण का प्रारंभ और मोक्ष : चंद्रग्रहण का आरंभ 7 सितंबर की रात 9 बजकर 58 मिनट से होगा और इसका समापन 8 सितंबर की आधी रात 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। पीक टाइमिंग की बात की जाए तो ये रात 11 बजकर 42 मिनट पर अपने चरम पर होगा। यानी भारत में संपूर्ण ग्रहण काल की कुल अवधि 3 घंटे 28 मिनट की रहेगी।

क्या करें, क्या न करें

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, गर्भवती महिलाओं पर ग्रहण का असर होता है। ऐसे में वह घरों से ग्रहण के समय बाहर न निकलें। पीपल, तुलसी और बरगद के पेड़ को स्पर्श न करें। नाखून-बाल भी न काटें। यात्रा करने से भी बचें। देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को छूने से बचें। ग्रहण के बाद लाल कपड़ा, तांबे का पात्र, मसूर दाल, गेंहू व लाल फल का दान करना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद गाय को रोटी खिलाने से अच्छा लाभ होता है। मंदिरों में पूजा कर दान करना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने पर पूरे घर में गंगा जल का छिड़काव कर शुद्धि करें। ग्रहण काल में गुरु मंत्र का जाप करें। लाभ दायक होता है। सूर्य उपासना व आदित्य हृदय स्रोत का पाठ भी करना चाहिए।

भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले। बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया। लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाला और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला, और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया। सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तक ले गई। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था।

भूपेन दा...भारत के रत्न

स्मृति शेष

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

भूपेन हजारिका, संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और संगीत साधना में डूब गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गए, नई प्रतिभाओं को समर्थन दिया। भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिए। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज़ दी।

भारतीय संस्कृति और संगीत से लगाव रखने वालों के लिए आज 8 सितंबर का दिन बहुत खास है। और विशेषकर इस दिन के साथ असम के मेरे भाइयों और बहनों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। आज भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म जयंती है। वे भारत की सबसे असाधारण और सबसे भावुक आवाजों में से एक थे। ये बहुत सुखद है कि इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष का आरंभ हो रहा है। यह भारतीय कला-जगत और जन-चेतना की दिशा में उनके महान योगदानों को फिर से याद करने का समय है।

भूपेन दा ने हमें संगीत से कहीं अधिक दिया। उनके संगीत में ऐसी भावनाएं थीं जो धुन से भी आगे जाती थीं। वे केवल एक गायक नहीं थे, वे लोगों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीत सुनते हुए बड़ी हुईं। उनके गीतों में हमेशा करुणा, सामाजिक न्याय, एकता और गहरी आत्मीयता की गूंज है।

भूपेन दा के रूप में असम से एक ऐसी आवाज़ निकली जो किसी कालजयी नदी की तरह बहती रही। भूपेन दा सशरीर हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी आवाज आज भी हमारे बीच है। वो आवाज आज भी सीमाओं और संस्कृतियों से परे है। उसमें मानवता का स्पर्श है।

भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले।

बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया।

लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाला और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला, और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया।

सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तक ले गई। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था। बनारस ने उन्हें पूरी तरह संगीत की

मुझे 2011 का वह समय याद है जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी। जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गई, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोड़ने में जुटा है। भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचल...इन दो राज्यों को जोड़ने वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है।

तरफ मोड़ दिया। काशी का सांसद होने के नाते मैं उनकी जीवन यात्रा से एक जुड़ाव महसूस करता हूऔर मुझे बहुत गर्व होता है।

काशी से आगे बढ़ी जीवन यात्रा में फिर उन्होंने अमेरिका में कुछ समय बिताया। वहां उन्होंने अपने समय के नामचीन विद्वानों, विचारकों और संगीतकारों से संवाद किया। वे पॉल रोबसन से मिले, जो दिग्गज कलाकार और सिविल राइट्स नेता थे। रोबसन का गीत "Ol' Man River" उनके कालजयी गीत 'बिश्टीरनो परोरे' की प्रेरणा बना। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला एलेनॉर रूजवेल्ट ने भारतीय लोकसंगीत प्रस्तुतियों के लिए उन्हें गोल्ड मेडल भी दिया।

भूपेन हजारिका, संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और संगीत साधना में डूब गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गए, नई प्रतिभाओं को समर्थन दिया।

भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिए। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज़ दी। उनकी रचनाएं लोगों को पुरानी स्मृतियों में ले जाती थीं, साथ ही, उन्होंने आधुनिकता को देखने का एक सशक्त नजरिया भी दिया। बहुत से लोग, खासकर सामाजिक रूप से वंचित तबकों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा पाते रहे...और आज भी पा रहे हैं।

भूपेन दा की जीवन यात्रा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। उनकी रचनाओं ने भाषा और क्षेत्र की सीमाएं तोड़कर एकजुट किया। उन्होंने असमिया, बांग्ला और हिन्दी फिल्मों के लिए संगीत रचा। उनकी आवाज में जो पीड़ा थी, वो बरबस हम सभी का ध्यान खींच लेती थी। 'दिल हूम हूम करे' में जो पीड़ा बहती है, वो सीधे दिल की गहराइयों को छू लेती है। और जब वे पूछते हैं, 'गंगा बहती है क्यूं', तो ऐसा लगता है मानो हर आत्मा को झकझोर कर जवाब मांग रहे हों।

उन्होंने पूरे भारत के सामने असम को सुनाया, दिखाया, महसूस कराया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को गढ़ने में उनका बड़ा योगदान रहा। असम के भीतर और दुनिया भर के असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए वो असम की आवाज बने।

भूपेन दा राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे, फिर भी जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे। 1967 में वे असम के नौबोइचा से निर्दलीय विधायक चुने गए। यह दिखाता है कि लोगों को उन पर कितना गहरा विश्वास था। उन्होंने राजनीति को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन हमेशा लोगों की सेवा में जुटे रहे।

भारत की जनता और भारत सरकार ने उनके योगदान का सम्मान किया। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, दादासाहेब फाल्के अवार्ड समेत कई सम्मान मिले। 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान उन्हें भारत रत्न मिला। यह मेरे लिए और एनडीए सरकार के लिए भी सम्मान की बात थी। दुनिया भर में, खासकर असम और उत्तर-पूर्व के लोगों ने, इस अवसर पर खुशी जताई। यह उन सिद्धांतों का सम्मान था, जिन्हें भूपेन दा दिल से मानते थे। वो कहते थे कि सच्चाई से निकला संगीत किसी एक दायरे में सिमट कर नहीं रहता। एक गीत लोगों के सपनों को पंख लगा सकता है, और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है।

मुझे 2011 का वह समय याद है जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी। जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गई, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोड़ने में जुटा है।

भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचल...इन दो राज्यों को जोड़ने वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है।

भूपेन हजारिका का जीवन हमें करुणा की शक्ति का एहसास कराता है। लोगों को सुनने और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की सीख देता है। उनके गीत आज भी बच्चों और बुजुर्गों, दोनों की जुबान पर हैं। उनका संगीत हमें माननीय और साहसी बनना सिखाता है। वह हमें अपनी नदियों, अपने मजदूरों, अपने चाय बागान के कामगारों, अपनी नारी शक्ति और अपनी युवा शक्ति को याद रखने को कहता है। वह हमें विविधता में एकता पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करता है।

भारत भूपेन हजारिका जैसे रत्न से धन्य है। जब हम उनके शताब्दी वर्ष का आरंभ कर रहे हैं, तो आइए यह संकल्प लें कि उनके संदेश को दूर-दूर तक पहुंचाएंगे। यह संकल्प हमें संगीत, कला और संस्कृति के लिए और काम करने की प्रेरणा दे, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करे, भारत में सृजनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आम आदमी को राहत, आर्थिकी को रफ्तार

जीएसटी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

हाल ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनज़र जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए राहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर मुहर लगा दी है।

व्यापार करने में होगी आसानी

इस अहम कर सुधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खासतौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि जीएसटी की नई दर व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्र के पहले दिन से लागू होगी। जीएसटी सुधारों का देश के शेयर बाजार ने स्वागत किया है और उम्मीद है कि आगामी दिनों में शेयर बाजार में जीएसटी में सुधार के ऐलान से नया जोश दिखाई देगा ।

गौरतलब है कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर जीएसटी परिषद ने विगत वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप को मंजूरी दी है। जीएसटी परिषद ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है।

सुधारों के तीन बड़े आधार

हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू होगा। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एक, स्ट्रक्चरल सुधार, इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है।

टैक्स रिटर्न में नहीं होंगी दिक्कतें

कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वस्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी।

जबकि 28 फ़ीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा रोटी, परांठे, कैंसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सीमेंट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फ़ीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सस्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। उल्लेखनीय है किजीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी।

निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा

मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़ने से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 47000 करोड़ रुपये के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढ़गी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा।

जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं, जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी। मांग व उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर भारत की इज ऑफ डूइंग रैंकिंग भी सुधरेगी। इस परिप्रेक्ष्य में वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने कहा कि निश्चित रूप से भारत में पिछले 5-6 वर्षों के दौरान जीएसटी सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं। अब जीएसटी के दो स्लैब बनने से इसकी कार्यान्वयन और लेखांकन प्रक्रिया आसान हो जाएगी। इससे राहत और राजस्व दोनों की ऊंचाई बढ़ेगी।

उम्मीद करें कि 22 सितंबर से लागू होने वाली नई जीएसटी व्यवस्था और दो स्लैब वाली कर प्रणाली के तहत नए बदलाओं के कार्यान्वयन पर सरकार शुरुआत से ही इस तरह ध्यान देगी कि इन कानूनों की सरलता से देश के करोड़ों लोग लाभांवित हों और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित हो। जीएसटी के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी।

देश का आर्थिक विकास होगा

जीएसटी सुधार से शुरुआती कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह की राशि में जो कमी आ सकती है, उस कमी को आगामी महीनों में खपत बढ़ने से राजस्व वृद्धि पूरी करते हुए दिखाई देगी। जीएसटी में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे और ऐसे में तेजी से बढ़ने वाला कर संग्रहण देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगा।

आर्थिक प्रगति का आधार बनेगा परिवर्तन

उम्मीद

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

जीएसटी परिषद् ने सर्वसहमति से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में नवीन उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। इस अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के अंतर्गत अब अधिसंख्य विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं (आपवादिक अहितकारी वस्तुयें व सेवायें छोड़कर) पर कर के क्रमशः 5 व 18 प्रतिशत के दो मूल्य संवर्ग बनाये गये हैं। महंगी कार, मोटरसाइकिल, पान मसाला, तंबाकू, सिगरेट, शीतल पेय (सॉफ्ट ड्रिंक्स), इत्यादि विलासी वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 प्रतिशत कर मूल्य की एक अन्य श्रेणी भी बनाई गई है। गत सप्ताह वर्ष 2025-2026 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की समृद्ध उपलब्धि के बाद अब जीएसटी परिषद् ने भारतवर्ष के प्रमुख त्योहारी माह से पूर्व जीएसटी संबंधी अनेक जनहितैषी कर-नीतियां बनाकर देश की अर्थव्यवस्था का भविष्य सुरक्षित करने का प्रयास किया है।

जीवन बीमा पॉलिसी में छूट

परिषद् के प्रमुख निर्णयों के अनुसार, अब व्यक्तिगत जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट मिलेगी। रोटी, परांठे, पनीर, छेना, इत्यादि खाद्य उत्पादों पर जीएसटी शून्य होगी। सभी प्रकार के वाहनों के कलपुर्जों पर एकमात्र 18 प्रतिशत मूल्य का कर लगेगा। सभी टेलीविजन सेटों पर जीएसटी मूल्यांकन घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। छोटी कारों व 350 सीसी तक की क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर भी 18 प्रतिशत कर लगेगा। सीमेंट का जीएसटी मूल्य 28 से घटकर 18 प्रतिशत हो जायेगा। हस्तशिल्प, संगमरमर, ग्रेनाइट पत्थर पर कर मूल्य 5 प्रतिशत होगा। केश तेल, साबुन, साइकिल पर भी 5 प्रतिशत ही कर लगेगा। जबकि पेट्रोल चालित 1200 सीसी से अधिक क्षमतावान कारों एवं 1500 सीसी से अधिक क्षमताधारी डीजल कारों, 350 सीसी से अधिक क्षमता की मोटरसाइकिलों, व्यक्तिगत उपयोग वाले विमानों, पान मसाला, तंबाकू उत्पादों, सिगनेट एवं शीतल पेय पदार्थों पर 40 प्रतिशत का विशेष कराधान होगा। हालांकि तीन सितंबर की जीएसटी परिषद् की बैठक से पूर्व विपक्षी दलों के शासन वाले आठ राज्यों के वित्त मंत्रियों ने भेंटवार्ता की थी, जिसमें उन्होंने संभावित 5 व 18 प्रतिशत की दो जीएसटी श्रेणियां बनाने तथा चली आ रही 12 व 28 प्रतिशत की कर श्रेणियां समाप्त करने के संबंध में आपत्तियां प्रकट की थीं।

राज्यों को आश्वासन

नके अनुसार नवीन कर श्रेणीयन के कारण राज्यों को राजस्व हानि उठानी पड़ सकती है। किंतु जीएसटी परिषद् में विपक्षी शासन वाले राज्यों की आपत्तियों पर विमर्श के उपरांत केंद्र ने अहितकारी व विलासिता युक्त वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर को 40 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। कुछ राज्य तो नई कर श्रेणियों के लागू होने पर राजस्व हानि की क्षतिपूर्ति चाहते थे, किंतु वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन्हें आश्वस्त किया कि सामान्य जन की दैनिक आवश्यकताओं वाली

वस्तुओं व सेवाओं पर कर में 5 या शून्य प्रतिशत के अंकन द्वारा भारतीय बाजारों में मांग व खपत बढ़ेगी, जिससे कुछ ही समय में पुरानी जीएसटी कर श्रेणी के समाप्त होने से होनेवाला आर्थिक विचलन संतुलित हो जाएगा। नवीन जीएसटी कर श्रेणियों पर राजनीतिक दृष्टि के साथ किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए। इसकी तुलना में यह देखा-समझा जाना चाहिए कि जिस समय संपूर्ण विश्व में आर्थिक मंदी की उठापटक चल रही है, उसी अवधि में भारत की जीडीपी वृद्धि दहाई के प्रतिशत मूल्य की ओर बढ़ रही है। देश में जीएसटी संरचना के साकार होने एवं हर तिमाही में नए ढंग से क्रियान्वित होने के बाद जीडीपी में नई कर श्रेणियों की घोषणा के बाद, इनके क्रियान्वयन से पूर्व केंद्रीय शासन को अग्रिम आकलन करते हुए संभावित अर्थहानियों का विचार सम्मुख रखना होगा। इस विचार की आवश्यकता इसलिये है क्योंकि इस वर्षा ऋतु में जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड तक के पर्वतों पर हो रही अतिवृष्टिकारी वर्षा ने न केवल इन तीनों पर्वतीय प्रांतों, अपितु पंजाब, राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा अन्य प्रदेशों में भी विनाशक बाढ़ की परिस्थितियां उत्पन्न की हैं। अतः इन आठ-दस राज्यों के आपदाग्रस्त लाखों-करोड़ों लोगों के अनुसार तो आगामी त्योहारी समय में 5 व 8 प्रतिशत के कर-मूल्य द्वारा बाजारों में मांग एवं खपत बढ़ने की आशा नहीं की जानी चाहिए। केंद्र को इन राज्यों के लिए आपदा राहत राशि आबंटित करनी होगी, जो आगामी पांच-छह माह तक तो केंद्र पर अतिरिक्त भार ही होगा।जीएसटी कर-प्रणाली में हुआ नवप्रवर्तन का प्रभाव आगामी कुछ माह तक भारत के विभिन्न प्रांतों में पृथक-पृथक लाभ व हानि के अनुपात में होगा। लाभ-हानि की स्थितियां धीरे-धीरे ही दीर्घावधि में समग्र लाभ में परिणत होंगी। अधिक युवा जनसंख्या होने का लाभ भारत को हर स्थिति में मिलेगा। जीएसटी कर मूल्यों के दो संवर्ग बनाने का निर्णय भी युवा जनसंख्या की अतिसक्रियता को देखकर लाभकारी ही प्रतीत होता है। अर्थव्यवस्था के अनुरूप अनेक औद्योगिक, प्रौद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र हैं जो लोगों की दैनिक इच्छाओं, विचारों, कार्यों व गतिविधियों के आधार पर बाजार की मांग व आपूर्ति निर्धारित करते हैं और ऐसे में जब अधिसंख्य घरेलू, सामान्य एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के मूल्य में न्यून कर के कारण कमी होगी, तो निश्चित रूप में बाजार में उनकी मांग बढ़ेगी, और मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति के लिये उद्योगों, प्रौद्योगों तथा सेवा इकाइयों के उत्पादन-सृजन में वृद्धि होगी। अर्थव्यवस्था के उन्नति, समृद्धि तथा प्रगति के लिये यही चक्र तो चाहिये होता है।

समृद्ध होगा बाजार

यह तो निश्चित है कि 5 और 18 प्रतिशत की कर-परिधि में आने वाली वस्तुओं का बाजार अधि जनसंख्या के अनुपात में अति समृद्ध होगा। खाद्यान्न, दूध, कृषि, वस्त्र, आवास निर्माण, परिवहन, इत्यादि मूलभूत आवश्यकताओं वाले क्षेत्रों की वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में कमी से बाजार में तेजी आयेगी ही आयेगी। राज्यों, लोकसेवकों, उद्योगों, व्यापारियों के लिये नई कर व्यवस्था का अनुपालन सुगम होगा। कर आकलन, मूल्यांकन, संग्रहण एवं अप्रत्याशित कराधान उलझनों के कारण उत्पन्न होनेवाले विवादों का समुचित निस्तारण हो सकेगा। अप्रत्यक्ष कर की दो श्रेणियों के कार्यकारी निष्पादन से पूर्व संभावित हानियों, जोखिमों, आपत्तियों के आकस्मिक उपाय भी किये गये हैं। एक अपीलीय पंचाट भी गठित किया गया है, जो सितंबर की समाप्ति से पूर्व ही कार्य करना आरंभ कर देगा। केंद्रीय शासन द्वारा जनहित की भावना को आगे रखकर किया गया जीएसटी का परिवर्तन, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की सुदृढ़ आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार बनेगा।

संजय के. दीक्षित

तरकश

ईडी के राडार पर बड़े अफसर

डीएमएफ के पैसे से कृषि यंत्र खरीदने में गोलमाल करने वाले छह आईएएस अधिकारी समेत 25 सप्लायर ईडी के निशाने पर हैं। इस हफ्ते जिन 19 सप्लायरों के यहां ईडी ने छापा मारा, चर्चा है कि उसमें न केवल 50 खोखा कैश मिला, बल्कि आधा दर्जन आईएएस अधिकारियों से उनके कनेक्शन के एविडेंस मिले हैं। इनमें तीन डायरेक्टर एग्रीकल्चर रहे हैं और तीन विभिन्न जिलों के कलेक्टर की बातें हो रही हैं। हार्टिकल्चर और बीज विकास निगम के तत्कालीन आईएफएस एमडी का नाम भी चर्चाओं में हैं। दरअसल, इन अधिकारियों ने डीएमएफ के पैसे को दोनों हाथों से उड़ाया। डीएमएफ मद से करीब साढ़े पांच सौ करोड़ के कृषि यंत्र जिलों में सप्लाई हुए, उसमें 45 परसेंट पर खेल हुआ। बहती गंगा में हाथ धोने रायपुर के बड़े होटल मालिक, सीए, सराफा कारोबारी, मेडिकल शॉप वाले भी सप्लाई के धंधे में कूद पड़े थे। रायपुर के जिन नामी कारोबारियों ने पैदा होने के बाद कभी खेती-किसानी के यंत्र देखे नहीं होंगे, वे भी मैन्युफैक्चरर बन लगे सप्लाई करने। पता चला है, चाइना से पार्ट्स मंगा यहां एसेंबल किया जाता था और फिर निर्माता बन जिलों में सप्लाई किया गया। इस खेल में 200 करोड़ से अधिक राशि अंदर की गई।

कलेक्टर-एसपी की लड़ाई!

एक जिले के कलेक्टर-एसपी में इस तरह इगो की लड़ाई छिड़ गई है कि बेचारे मंत्रीजी परेशान हो गए हैं। कभी एसपी की शिकायत लेकर कलेक्टर मंत्री के पास पहुंच जाते हैं तो कभी कलेक्टर की शिकायत लेकर एसपी। जिले में न सरकार की योजनाओं पर काम हो रहा और न लॉ एंड आर्डर का। मंत्रीजी की पीड़ा यह है कि वे न किसी पर कोई तोहमत लगा सकते और ना ही जोर से आह भर सकते। दरअसल, उनके शुभचिंतकों ने उन्हें इशारा किया था कि ऐसा मत कीजिए। मगर मंत्रीजी तब कुछ सुनने के लिए तैयार नहीं थे। वे दोनों को अपने च्वाइस से मांगकर ले गए थे। मगर अब पछताने के अलावा कोई चारा नहीं है। मंत्रीजी ने हालांकि, दोनों को बुलाकर समझाइश दी है। उनके निर्देश के बाद प्रशासन और पुलिस की एक समन्वय बैठक हुई। मगर कलेक्टर, एसपी के बॉडी लैंग्वेज से प्रतीत हो रहा था कि खाई अभी पटी नहीं है। जाहिर है, एक बार अगर मन में कोई खुन्नस आ गई तो फिर उसे जाने में टाइम लगता है।

चीफ सिकरेट्री कौन?

दो महीने बाद फिर वही सवाल खड़ा हो गया है...अगला चीफ सिकरेट्री कौन? अमिताभ जैन को फिर एक्सटेंशन या किसी और को मिलेगा मौका? दरअसल, अमिताभ को तीन महीने का एक्सटेंशन मिला था, उसका काउंटडाउन शुरू हो गया है। 22 दिन बाद 30 सितंबर को उनका एक्सटेंशन समाप्त हो जाएगा। चूंकि मध्यप्रदेश के चीफ सिकरेट्री अनुराग जैन को हाल ही में एक साल का एक्सटेंशन मिला है, इसलिए एक परसेप्शन बन रहा कि अमिताभ को फिर से एक्सटेंशन मिल जाएगा। खैर, हो तो कुछ भी सकता है। दोनों जैन हैं...एक बैच के भी। दोस्त भी। मगर दोनों केसों में फर्क यह है कि अनुराग जैन को सीएस बने एक साल हुआ था और अमिताभ जैन को पौने पांच साल। अमिताभ ने सीएस के तौर पर पोस्टिंग का ऐसा रिकार्ड बनाया है, जो बिरले ही किसी आईएएस को नसीब होता है। गूगल में सर्च करने पर पौने पांच साल वाला चीफ सिकरेट्री का कोई नाम दिखाई नहीं पड़ता। अगर उन्हें तीन महीने का और सेवा विस्तार मिल गया तब तो वे पांच साल वाले देश के पहले सीएस बन जाएंगे। बहरहाल, उन्हें एक्सटेंशन नहीं मिला तो सवाल उठता है...नया चीफ सिकरेट्री कौन होगा?

अमित अग्रवाल या कोई और?

छत्तीसगढ़ के नए चीफ सिकेरट्री के लिए तीन तरह की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। पहला छत्तीसगढ़ में पोस्टेड अफसरों पर अगर केंद्र सहमत नहीं होगा तो फिर दिल्ली से अमित अग्रवाल को चीफ सिकरेट्री बनाकर रायपुर भेज सकता है, जैसा कि कई राज्यों में हुआ है। हालांकि, अमित होम कैडर में लौटने के इच्छुक नहीं होंगे मगर केंद्र अगर 'गो' बोल देगा, तो उन्हें छत्तीसगढ़ लौटना ही पड़ेगा। दूसरा, भारत सरकार छत्तीसगढ़ में कार्यरत एसीएस रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ में से किसी नाम पर मुहर लगा दे। और तीसरा...जिस तरह डीजीपी बनाने में पहली बार केंद्र ने अरुणदेव गौतम पर सहमति देने की बजाए अशोक जुनेजा को एक्सटेंशन दे दिया था, और बाद में गौतम को हरी झंडी मिल गई थी। उसी तरह हो सकता है इतिहास दुहराए...राज्य सरकार जिस अफसर को मुख्य सचिव बनाना चाहती हो, और 30 जून को वो हो नहीं पाया, अब उस पर भारत सरकार से सहमति मिल जाए। इन तीनों में पहले की संभावना 20 परसेंट नजर आ रही तो तीसरे प्वाइंट की 80 परसेंट।

पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग

छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक गलियारों में चर्चा इस बात की भी सरगर्म है कि अमिताभ जैन का अगर टेन्योर खतम होगा तो उन्हें रिटायरमेंट उपरांत पोस्टिंग कौन सी मिलेगी। यद्यपि, अमिताभ ने मुख्य सूचना आयुक्त के लिए इंटरव्यू भी दिया है। मगर अब लोगों को लग रहा कि सीआईसी का पद पौने पांच साल प्रोफाइल वाले चीफ सिकरेट्री के लिए कमजोर पड़ेगा। सीआईसी में उन्हें सिर्फ तीन साल का कार्यकाल मिलेगा। काम भी पेचीदा...दिन भर कोर्ट में सुनवाई करो, उसके बाद फैसला लिखवाओ। 36 साल के कैरियर में अमिताभ ने ऐसी कभी पुअर पोस्टिंग की नहीं। सो, ऐसी अटकलें जोर पकड़ रही कि अमिताभ हाल ही में मुख्यमंत्री के साथ विदेश होकर आएं हैं...हो सकता है बदले हालात में उनके लिए कोई और ठीकठाक पद ढूंढा जाए। अगर ऐसा हुआ तो फिर रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा को सीआईसी बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। जुनेजा भी इस पद के दावेदार हैं, उन्होंने इंटरव्यू भी दिया है।

रायपुर में गोल्फ भी

यह पहली दफा होगा, जब छत्तीसगढ़ का कोई प्रतिनिधिमंडल इंवेस्टमेंट के लिए फॉरेन गया और उसका इतना क्विक रिजल्ट सामने आया। टीम विष्णुदेव के जापान और साउथ कोरिया के विजिट के बाद गुड न्यूज यह है कि दक्षिण कोरिया से उद्योगपतियों का एक दल 10 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ यह देखने छत्तीसगढ़ आ रहा कि किस तरह की यहां संभावनाएं हैं। बताते हैं, सीएम ने साथ गए अफसरों से कहा था कि प्रयास ऐसा किया जाए कि भले ही छोटे से ही शुरूआत हो मगर छत्तीसगढ़ में कुछ-न-कुछ विदेशी इंवेस्टमेंट का आगाज होना चाहिए। इसी लाइन पर चलते हुए अफसरों ने वहां छत्तीसगढ़ की खासियतों से उद्योगपतियों को अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि छत्तीसगढ़ में पर्याप्त लैंड, पानी, बिजली, मैनपावर उपलब्ध है ही, कोई लोकल न्यूसेंस नहीं है...रायपुर में गोल्फ भी खेला जाता है। जाहिर है, नवा रायपुर में जब गोल्फ का मैदान बना था तो इसको लेकर सिस्टम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। मगर यह सही है कि विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उनके अनुकूल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा। गुजरात में आखिर नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री रहने के दौरान जापानिज इंवेस्टर्स के लिए क्लब से लेकर उनके बच्चों के लिए जापानी भाषी वाला स्कूल, रेस्टोरेंट बनवाया ताकि वे निवेश करें तो उन्हें रहने में असहज महसूस न करें।

एसपी की लिस्ट

महासमुंद के पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह सेंट्रल डेपुटेशन पर जा रहे हैं। राज्य सरकार ने उन्हें एनओसी दे दिया है। आशुतोष को वहां पोस्टिंग मिलने के बाद सरकार उनकी जगह किसी आईपीएस अधिकारी को महासमुंद का कप्तान नियुक्त करेगी। हो सकता है इसके साथ कोई नया चेन बन जाए और दो-तीन और पुलिस अधीक्षकों का ट्रांसफर हो जाए। वैसे भी दो-तीन एसपी के बदले जाने की अटकलें पहले से चल रही हैं।

मंत्रालय में बड़ा चेंज

इस महीने के अंत में मंत्रालय में शीर्ष स्तर पर बड़ा बदलाव होने की खबर है। मुख्य सचिव बदले जाने पर कई सचिवों के विभाग बदलेंगे। अगर किसी एसीएस को चीफ सिकरेट्री की जिम्मेदारी दी गई तो उनका विभाग किसी नीचे के अधिकारी को दिया जाएगा। सूबे में प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी सिर्फ दो ही हैं, सुबोध सिंह और सोनमणि बोरा। हो सकता है कि सरकार शहला निगार, डॉ0 रोहित यादव और डॉ0 कमलप्रीत सिंह को प्रमुख सचिव पदोन्नत कर दे। शहला को जनवरी से प्रमोशन ड्यू है। बाकी रोहित और कमलप्रीत को टाईम से पहले प्रमोशन दिया जा सकता है। इससे पहले भी कई बार हुआ है। सीके खेतान और आरपी मंडल टाईम से छह महीने पहले प्रमुख सचिव बन गए थे। इसी तरह सुब्रत साहू को समय से डेढ़ साल पहले एसीएस बनाया गया था। बहरहाल, शहला, रोहित और कमलप्रीत के प्रमोशन के बाद फिर स्टेट में पांच प्रमुख सचिव हो जाएंगे। हो सकता है कि प्रमोशन के बाद विभागों में युक्तियुक्तकरण किया जाए।

कांग्रेस में बदलाव!

कांग्रेस और गुटबाजी में चोली-दामन का संबंध रहा है। मध्यप्रदेश के दौर में भी गुटीय लड़ाई चलती रही और छत्तीसगढ़ बनने के बाद भी। ताजा मामला बड़े नेता रविंद्र चौबे के बयान का आया। चौबे ने कहा था कि अगला चुनाव भूपेश बघेल के नेतृत्व में होगा। इस पर पार्टी में तूफान मच गया। आरोप-प्रत्यारोपों के बीच चौबे राजीव भवन पहुंचे। पीसीसी चीफ दीपक बैज के साथ बंद कमरे में गिला-शिकवा दूर करने के बाद दोनों मीडिया के सामने आकर जो कहा, उसका निहितार्थ यह था कि दीपक बैज सर्वमान्य हैं...और मैंने जो कहा, उसे वापिस लेता हूं। असल में, कांग्रेस में यह पहली बार हुआ कि रविंद्र चौबे जैसे नेता को अपने बयान पर यूटर्न लेना पड़ा। चौबे जब मध्यप्रदेश में मंत्री थे तब दीपक बैज की राजनीति में इंट्री नहीं हुई होगी। मगर अब दीपक पीसीसी के प्रमुख हैं और चौबे को उन्हें बयान को लेकर सफाई देनी पड़ी। लगता है, कांग्रेस में चीजें कुछ बदल रही हैं। वरना, पार्टी में नेतृत्व को लेकर बयानबाजियां पहले भी होती रही हैं, मगर एक दिग्गज नेता को इस तरह सफाई नहीं देनी पड़ी।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या राज्योत्सव के मौके पर एक नवंबर को रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम प्रारंभ हो जाएगा?
2. बस्तर के जंगलों में जिस तरह फोर्स घुस रही है, क्या मार्च 2025 से पहले नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा?

पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे की न्यायिक रिमांड 15 तक बढ़ाई गई

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

करोड़ों रुपए के शराब घोटाला में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे चैतन्य बघेल की शनिवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से सुनवाई हुई। सुनवाई में पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे की न्यायिक रिमांड की अवधि 15 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। मामले की सुनवाई ईडी की विशेष अदालत में हुई। 15 सितंबर को ईडी चैतन्य बघेल के खिलाफ कोर्ट में पूरक चालान पेश कर सकती है।

■ वीडियो कान्फ्रेंसिंग से हुई सुनवाई

ईडी ने चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। तब से वे जेल में बंद हैं। ईडी का आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले। एजेंसी के दावों के मुताबिक शराब घोटाले से मिली ब्लैक मनी को चैतन्य ने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में निवेश किया। रकम को व्हाइट दिखाने के लिए फर्जी निवेश दर्शाया गया। ईडी का दावा है कि सिंडिकेट के जरिए 1000 करोड़ रुपए से अधिक की हेराफेरी की गई है। ईडी ने बताया कि चैतन्य बघेल की कंपनी विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में भी घोटाले के पैसे का इस्तेमाल हुआ। इस प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन के मुताबिक प्रोजेक्ट पर असल खर्च 13 से 15 करोड़ था, लेकिन रिकार्ड में सिर्फ 7.14 करोड़ दर्शाए गए। इसके अलावा जब्त डिजिटल डिवाइस से खुलासा हुआ कि कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ नकद पेमेंट किया, जो आधिकारिक रिकार्ड में दर्ज नहीं है।

चावल घोटाले के कारण हटाए गए थे खाद्य संचालनालय के अधिकारी

हरिभूमि न्यूज: रायपुर।

खाद्य विभाग में 2021 से 2023 की अवधि में हुए 600 करोड़ के चावल घोटाले के लिए खाद्य संचालनालय के अतिरिक्त संचालक राजीव कुमार जायसवाल को जिम्मेदार मानते हुए खाद्य संचालनालय से हटाया गया है। यह जानकारी खाद्य संचालनालय की अपर संचालक नीलम एल्मा द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को भेजे गए पत्र से हुई है।

छत्तीसगढ़ राज्य में हुए पीडीएस घोटाले के संबंध में 11 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिख कर घोटाले की जांच को प्रभावित करने वाले अधिकारी को हटाने की मांग की गई थी। खाद्य संचालनालय ने जनदर्शन में राकेश चौबे के पत्र के संबंध में जानकारी दी है कि राजीव कुमार जायसवाल को अतिरिक्त संचालक पद से हटाकर संयुक्त सचिव खाद्य मंत्रालय पदस्थ किया गया है। खुले बाजार से बोगस चावल खरीद कर राशन कार्ड धारियों को देने का है। राशन दुकानों में केवल नागरिक आपूर्ति निगम ही गुणवत्ता युक्त चावल भेजने के लिए अधिकृत है। मामले में यह बताया गया कि प्रदेश की कई राशन दुकानों में बचत चावल की अफरातफरी किए जाने के बाद मामले के संज्ञान में आने पर पीडीएस के दुकान संचालकों को नोटिस जारी किया गया।

10 जिलों में हुई कालाबाजारी

10 जिलों में 4,633,19 टन चावल, जिसकी बाजार में कीमत 128.09 करोड़ रुपए है, की कालाबाजारी की गई। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कोरबा जिला भ्रष्टाचार का गढ़ रहा था। पीडीएस चावल बचत घोटाले में भी राज्य में पहले नंबर पर रहा। 16.59 करोड़ के मूल्य का 4669.56 टन चावल कालाबजारी में चला गया। ये गड़बड़ी 298 राशन दुकानों द्वारा की गई, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। 50 राशन दुकान निलंबित हुई, 31 निरस्त हुई। सिर्फ 31 दुकानों को राजस्व वसूली का नोटिस जारी हुआ। जिन 298 राशन दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ, उनमें से केवल 112 के विरुद्ध कार्रवाई हुई।

वन विभाग में प्रशासनिक फेरबदल जल्द मिलेगी नई जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन विभाग में जल्द ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिल सकता है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक समेत कई अफसरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव की संभावना है। इसकी शुरुआत उन वरिष्ठ अधिकारियों की सेवानिवृत्ति से हो रही है, जिन्होंने वन एवं पर्यावरण क्षेत्र में लम्बे समय तक अपनी सेवाएं दी हैं। ऐसे में जल्द ही इस प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है।

1988 बैच के सुधीर अग्रवाल और 1993 बैच के आलोक कटियार 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए हैं। सुधीर अग्रवाल ने वन विभाग में आधारभूत संरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। वहीं, आलोक कटियार ने वर्किंग प्लान जैसी अहम शाखाओं में योगदान दिया। दोनों ही अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के साथ विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। बता दे कि सितंबर में 2006 बैच के प्रभाष मिश्रा भी सेवानिवृत्त होंगे। इसके अलावा अक्टूबर में 1991 बैच के मोरिश नंदी और 1994 बैच के सुनील मिश्रा भी सेवानिवृत्त होंगे। इससे विभाग में उच्च स्तर पर पुनर्गठन की संभावना और प्रबल हो गई है।

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

नेक्स्ट-जेन जीएसटीः
जन-प्रथम सुधार

सुलभ दाम, हर परिवार की बने बड़ी मुस्कान

"सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए रणनीतिक रूप से प्रभावशाली बदलाव किए और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे उनके जीवन में सुगमता आई है और वे अब अधिक सशक्त हो गए हैं।"
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

रोजमर्रा की जरूरतों पर रोजाना बचत

अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर (UHT) दूध
छेना या पनीर (प्री-पैकेज्ड और लेबल किए गए)
खाखरा, चपाती या रोटी
पिछली दरें 5%
नयी दरें शून्य

परांठा, परोट्टा और अन्य भारतीय ब्रेड
पिछली दरें 18%
नयी दरें शून्य

चॉकलेट, आइसक्रीम, कॉफी, चाय
कॉर्न फ्लेक्स
पेस्ट्री, केक और बिस्कुट
पिछली दरें 18%
नयी दरें 5%

मक्खन, घी, डेयरी स्प्रेड्स, चीज
मेवे और ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, पिस्ता, मूँगफली, काजू
शुगर बॉयल्ड कन्फेक्शनरी
पास्ता, मैकरोनी, इंस्टेंट नूडल्स और एक्सट्रूडेड स्नैक्स
नमकीन, भुजिया और मिक्सचर (प्री-पैकेज्ड और लेबल किए गए)
जैम, फ्रूट जेली, सॉस, मेयोनीज और सलाद ड्रेसिंग
फलों/सब्जियों के जूस; नारियल पानी (प्री-पैकेज्ड और लेबल किए गए)
दूध से बने पेय पदार्थ
पिछली दरें 12%
नयी दरें 5%

आयरन, स्टील और कॉपर के टेबलवेयर और किचनवेयर
सिलाई मशीन और उसके पुर्जे
साइकिल (बिना मोटर वाली)
हैंडबैग और शॉपिंग बैग (कॉटन और जूट के)
फीडिंग बॉटल और उसके निप्पल, बच्चों के नैपकिन और क्लिनिकल डायपर
पिछली दरें 12%
नयी दरें 5%

बालों का तेल, शैम्पू, टूथपेस्ट, टैलकम पाउडर, टॉयलेट सोप बार, टूथब्रश, शेविंग क्रीम, शेविंग लोशन
पिछली दरें 18%
नयी दरें 5%

अनुशंसित संशोधित दरों और अन्य माल एवं सेवा कर परिवर्तनों की पूरी सूची के लिए, कृपया स्कैन करें →

CBC 15502/13/0009/2526

@cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @cbicindia @CBICIndia www.cbic.gov.in

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 7 सितंबर 2025

जब कोई अपना हो परेशान-तनावग्रस्त
कुछ देर रहने दें उसे अपने मन के साथ

हम सभी के जीवन में परेशानियां और तनाव के क्षण आते रहते हैं। ऐसे में कुछ लोग दूसरों से सलाह लेने में असहज महसूस करते हैं, वे नहीं चाहते कि उनसे कोई सवाल पूछा जाए। वे कुछ समय तक अपने मन के साथ एकांत रहना चाहते हैं। इस कंडीशन में हमें अपने अजीज की भावनाओं का सम्मान करना चहिए।

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

बीते दिनों मशहूर कैनेडियन सिंगर जस्टिन बीबर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि वह टूट चुके हैं। गुस्से की समस्या से जूझ रहे हैं। जस्टिन ने अपनी मानसिक सेहत को लेकर भी चिंता जताई। दुनिया भर में मशहूर इस सिंगर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 'लोग मुझे ठीक होने के लिए कहते रहते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर मैं खुद को ठीक कर सकता, तो मैं पहले ही कर चुका होता? मुझे पता है कि मैं टूट चुका हूं। मुझे पता है कि मुझे गुस्से की समस्या है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी उन लोगों की तरह बनने की कोशिश की, जो मुझे कहते रहे कि मुझे उनके जैसा ठीक होना चाहिए। यही बात मुझे और ज्यादा थका देती है, ज्यादा गुस्सा दिलाती है।' अपनी एक दूसरी पोस्ट में जस्टिन यह भी कह चुके हैं कि 'मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं। मुझसे यह पूछना भी बंद करो कि मैं कैसा हूं? क्या कर रहा हूं? मैं जानता हूं कि हम सभी के लिए जीवन कठिन है। आइए हम अपने लोगों को प्रोत्साहित करें, न कि अपनी सुरक्षाओं को एक-दूसरे पर प्रोजेक्ट करें। हर बार आपकी चिंता देखभाल के रूप में सामने नहीं आती है। यह सिर्फ अजीब रूप से ऑप्रेसिव यानी चिंता और तकलीफ थोपने वाली भी हो सकती है।'

उचित नहीं ज्यादा सवाल-सलाह

असल में जस्टिन के विचार आम लोगों के लिए भी सार्थक सलाह लिए हैं। इस युवा और चर्चित चेहरे की बातें किसी अपने-पराए के जीवन में आई हैरान-परेशान करने वाली परिस्थितियों में हरदम कुछ पूछते रहने के बर्ताव पर लगाम लगाने की जरूरत को रेखांकित करती हैं। समझना आवश्यक है कि उलझाऊ हालातों में, क्या चल रहा है? कैसा चल रहा है? कैसे हो? खुश क्यों नहीं दिखते हो? या टेंशनफ्री होने-रहने का प्रयास करो। जैसी सलाहों और सवालों का दोहराव हमारे प्रिय की मुश्किलों को और बढ़ा देता है। पहले से ही तकलीफ के घेरे में आए मन को और पीड़ा देने लगता है। डगमगाते मन से जूझते युवा और सशंकित हो जाते हैं। अपने ही जीवन की दिशा को लेकर घेरने वाली ये शंकाएं-आशंकाएं और भटकाने वाली साबित होती हैं। साथ ही मन में आक्रोश भी उपजने लगता है, कभी खुद के प्रति तो कभी उन अपनों-परायों को लेकर, जो बिन मांगी सलाहें देते हैं। हर समय सवाल पूछते हैं। सही गाइडेंस की जरूरत बताते हुए पहले से ही उलझे-बिखरे दिलो-दिमाग को और भटकाते हैं। ऐसे दौर में किसी भी इंसान को थोड़ा समय देना सही रहता है। समस्याओं से जूझ रहा इंसान चाहता है कि कोई बेवजह सवाल ना पूछे। आते-जाते तसल्ली ना दे। बात-बात में कोई नसीहत कोई राय ना मिले। ऐसी बातें और बर्ताव मददगार बनने के बजाय मनोभावों को और उलझाते हैं।

संभलने का समय दें

मन हो या जीवन, किसी भी मोर्चे पर प्रतिकूल परिस्थितियों में पूछताछ करने वाले हमारे अपनों का इरादा हर बार गलत नहीं होता है। बावजूद इसके परेशान मन को संभलने का समय देने के

बजाय जांच-पड़ताल करते रहने का व्यवहार मन को ठेस पहुंचाता है। इसीलिए जान-पहचान वाले घर में किसी व्यक्ति की नौकरी छूट जाए। उम्मीद के मुताबिक परीक्षा का परिणाम ना आए। रिश्ते-नाते टूट जाएं या कोई हारी-बीमारी घेर ले तो ऐसे में उनकी निजता का सम्मान करना जरूरी है। आमना-सामना होने पर असहज महसूस करवाने वाले प्रश्नों के बजाय संभलने का समय देना चाहिए। बहुत से लोग दूसरों से अपना सब कुछ नहीं बताना चाहते। ऐसी परिस्थितियों में कोई गाइडलाइन देने के बजाय गंभीरता से उनकी मनःस्थिति को समझना एक अच्छा तरीका है। बेहतर महसूस करने के बाद वे स्वयं आपसे अपनी बात साझा करने की सोचेंगे। अगर नहीं तो यह उनका अधिकार है कि वे कितना और क्या दूसरों को बताना चाहते हैं? युवा पीढ़ी अपने निजी जीवन में दूसरों की ताक-झांक को ज्यादा पसंद नहीं करती। ऐसे में समझना आवश्यक है कि आपका संवाद

एकतरफा तो नहीं। आपके सवाल बहुत अधिक पर्सनल हुए तो अगले इंसान को असहज ही करेंगे। साथ ही बिन मांगी सलाह भी दूसरे के लिए भार और तनाव का कारण बन सकती है।

समझें तनावग्रस्त व्यक्ति की मनोदशा

आज के दौर में अधिकांश लोग जो कुछ भी अपनों-परायों, परिचितों-अपरिचतों से साझा करना चाहते हैं, वह वर्चुअल दुनिया में मौजूद होता ही है। ऐसे में निजी समस्याओं को खुद तक रखकर अपनी प्राइवेसी चाहने वालों को परेशान करना सही नहीं होता है। देखा जाए तो कई बार निजी संबंधों में दूरियां आने की बड़ी वजह जरूरत से अधिक ऐसी दखलंदाजी भी होती है। ठीक जस्टिन की तरह ही किसी को यह कहना कि 'मेरी तरह रहो, मेरे जैसे बनो या इस हाल में यह करो, वह करो।' किसी भी व्यक्ति, खासकर युवाओं को नहीं भाता। ऐसा व्यवहार जीवन में दूरियां और मन में शिकायतें बढ़ाता है। खासकर जब यह पता ही ना हो कि अगला इंसान किन हालातों से जूझ रहा है। कुछ बातों पर गौर करते हुए उसकी मनोदशा को समझने का प्रयास करना उचित है। आपसे जुड़ा इंसान अगर आई कॉन्टेक्ट किए बिना बात करे, आते-जाते बचकर निकलने की सोचे, पूछने पर कुछ भी स्पष्ट कहने से बचे या शब्दों को घुमा-फिराकर अपनी बात रखे तो समझ जाइए कि वह अपनी परिस्थिति और मनःस्थिति को बताने में सहज नहीं है। कुछ समय के लिए ऐसे लोगों को उनके हाल पर छोड़ देना चाहिए। उनके दिलो-दिमाग को रिकवर होने का वक्त मिलना ही चाहिए। आगे सही समय देखकर उनके साथ संवाद की राह बनानी चाहिए। *

सही नहीं हद से अधिक निष्क्रियता

{ लाइफस्टाइल / चैतन्या }

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोर्टर डिलीवरी एजेंट का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में उसने बताया कि उसे दो मिनट की दूरी पर पार्सल पहुंचाने का ऑर्डर आया। इसके लिए डिलीवरी एजेंट ने हंसी-मजाक के सहज अंदाज में ग्राहक को आलसी कहा। स्वयं पोर्टर डिलीवरी एजेंट द्वारा बनाए गए वीडियो में वह बताता है कि ऑर्डर एक ही अपार्टमेंट के टॉवर सी से उठाकर टॉवर ई में देना था। यह दूरी इतनी कम थी कि पैदल चलकर सिर्फ दो मिनट में तय की जा सकती थी। यही वजह है कि डिलीवरी एजेंट मजाकिया लहजे में कहता है कि 'ये लोग इतने आलसी हैं कि सिर्फ एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में सामान पहुंचाने के लिए भी खुद नहीं चल सकते, इसके लिए भी पोर्टर बुक कर रहे हैं।' देखा जाए तो यह वाकया हंसकर टाल देने भर का लगता है। गंभीरता से सोचा जाए तो हमारी बदलती जीवनशैली और दूसरों पर बढ़ती निर्भरता की कड़वी सच्चाई से रूबरू करवाता है। ऐसी सच्चाई जो छोटे-छोटे काम भी खुद न करने के बर्ताव को सामने रखती है। हमारे चारों ओर कसते जाते आलस के घेरे की बानगी है।

सेवाओं-सुविधाओं का विस्तारः हाल के बरसों में जिंदगी को सहज बनाने वाली सर्विसेस बढ़ी हैं। सामान भिजवाना हो या मंगवाना, इन सुविधाओं का एक बड़ा बाजार बन गया है। गौरतलब है कि आमतौर पर शहर बदलने पर लोग सामान शिफ्ट करने के लिए पोर्टर सर्विसेस का इस्तेमाल करते हैं। पोर्टर एप की मदद से किसी भी तरह के सामान को बाइक या छोटे वाहनों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह तक आसानी से पहुंचा दिया जाता है। एक ही शहर में लंबी दूरी के लिए भी ऐसी सर्विसेस बहुत काम की होती हैं। यही वजह है कि मामूली दूरी के लिए भी किसी सामान को खुद पहुंचाने की जहमत ना उठाने के बर्ताव से जुड़ा यह वाकया अजीब लगता है। चिंताजनक यह है कि ऐसी सर्विसेस पर निर्भर होने वाले लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। सेवाओं-सुविधाओं का यह विस्तार खुद इंसानों के मूवमेंट को समेटने लगा है।

निर्भरता की अति के नुकसानः व्यस्त जीवनशैली, तकनीकी विस्तार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की बढ़ती पहुंच के चलते ऐसी बहुत सी सुविधाओं पर डिपेंडेंसी बढ़ी है। व्यस्तता के साथ-साथ एक पहलू यह भी है कि अपने-अपने कोजी कॉर्नर में बैठे लोग अब सब्जी तक लेने घर से बाहर नहीं जाना चाहते। क्लिक भर में ऑर्डर कर फ्री हो जाने का काम सुविधाजनक लगने लगा है। अफसोस कि यह स्थिति शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर तो नेगेटिव असर डालती ही है, सामाजिक फ्रंट पर भी इसके कई नुकसान हैं। फूड डिलीवरी एप्स के जरिए दस मिनट में कुछ भी मंगा लेने की सुविधा लोगों में हरदम कुछ ना कुछ खाते रहने की आदत भी डाल रही है। बहुत से लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग रही है। अनचाहा सामान भी ऑर्डर किया जा रहा है। देखा जाए तो यह स्थिति साइकोलॉजिकल निर्भरता बढ़ने से जुड़ा पहलू भी लिए है। जिसका मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। धीरे-धीरे आलस के कारण हर तरह की रचनात्मकता और सक्रियता भी खत्म होने लगती है। चिंता, अवसाद और तनाव जैसी प्रॉब्लम्स जड़ें जमाने लगती हैं। सब कुछ घर बैठे ऑर्डर कर देने की आदत हो जाए तो सामाजिक गतिविधियों में भी भागीदारी कम होने लगती है। इसीलिए इस तरह की डिपेंडेंसी की सीमा तय करना आवश्यक है।

किसी बहाने बने रहें सक्रियः कोई भी सुविधा जब आदत बनकर हद से ज्यादा निर्भर बनाने लगे तो चेत जाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा निर्भर होना केवल सुविधा का लाभ लेना भर बल्कि अपनी क्षमताएं खो देने के हालात पैदा करता है। इसीलिए सक्रिय बने रहना जरूरी है। अपने काम-काज निपटाने के लिए एक्टिव रहना शारीरिक ही नहीं मानसिक और सामाजिक रूप से सक्रिय रहने से भी जुड़ा है। आस-पास के बाजार तक जाना या आस-पड़ोस के किसी घर में कोई सामान लेने या पहुंचाने जाना इंसानी जीवन का सहज हिस्सा रहा है। इन एक्टिविटीज से सामाजिक संबंध बनते हैं। एक्टिव रहने के बहाने तलाशिए। हर काम के लिए उपलब्ध सुविधाओं के इस दौर में खुद को निष्क्रियता से बचाने के लिए खास कोशिशें करने की दरकार है। *

आमतौर पर आंसू बहाने को कमजोरी की निशानी और न रोने वाले को कठोर हृदयी मान लिया जाता है। लेकिन वास्तव में आंसू केवल मन की अभिव्यक्ति होते हैं, जो कई बार हमारे मन का उपचार भी करते हैं।

आंसुओं से बयां होती है मन की सच्ची हकीकत

{ इमोशंस / अंतरा पटेल }

कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें आसानी से रोना नहीं आता है। उनके किसी रिलेटिव या करीबी की डेथ हो जाए तब भी नहीं रोते। जब उनका कहीं अपमान हो जाए या उन्हें गहरा सदमा लगे या कोई गंभीर नुकसान हो जाए वे तब भी नहीं रोते। जिन अवसरों जैसे-अंतिम संस्कार, विदाई या भावनात्मक फिल्म देखते हुए, जब अधिकतर लोग रोते हैं, उन पर भी उनके आंसू नहीं छलकते। हालांकि उनकी आंखों में आंसू होते हैं, लेकिन वो आंखों से छलकते नहीं। तो क्या इससे यह साबित होता है वे भावनाशून्य इंसान होते हैं? शायद ऐसे ही कठोर या कहें मजबूत मन वाले लोगों के लिए सुदर्शन फाकिर ने यह शेर कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' इनसे उलट कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपनी भावनाओं को, आंसुओं को छिपाते नहीं हैं। जैसे एक बार टेनिस स्टार अमांडा अनिसिमोवा विंबलडन फाइनल में हारने के बाद सबके सामने फूट-फूट कर रो पड़ी थीं। सैंकड़ों लोगों और कैमरों के जरिए पूरी दुनिया के सामने भी उन्होंने अपने आंसुओं को रोकने का प्रयास नहीं किया और न ही चेहरे पर दिखावटी मुस्कान लाने की कोई कोशिश की थी। कुछ लोगों को उनका ऐसे रोना, अजीब या कहें अनुचित लगा। लेकिन वास्तव में देखा जाए तो अमांडा के रोने में सच्चाई थी और बहादुरी भी। वास्तव में सबके सामने रोने वालों और न रोने वालों को लेकर समाज में अलग-अलग तरह की राय रखी जाती है।

मानते हैं कमजोरी का लक्षणः आमतौर पर रोने को, कमजोरी या अत्यधिक भावुकता या नियंत्रण के खोने से जोड़ते हैं। विशेषकर पुरुषों के संदर्भ में कहा जाता है कि 'मर्द रोते नहीं हैं।' बचपन में जब कोई लड़का रोता है तो उससे कहा जाता है, 'लड़कियों की तरह रोना बंद करो।' रोने को लड़कियों का एक्सक्लूसिव गुण मान लिया गया है। ऐसे जुमले केवल लड़कों या पुरुषों को नीचा दिखाने के लिए ही नहीं बल्कि लड़कियों या स्त्रियों का भी अपमान हैं। घर और स्कूल में बच्चों की इस सोच के साथ परवरिश की जाती है कि संयम (या बर्दाश्त) का अर्थ ताकत है और आंसू बहाना, कमजोरी या अस्थिरता की निशानी है।

गम-खुशी में छलकते हैं आंसूः वास्तव में रोना हमारी सोच और धारणा से कहीं अधिक जटिल है। यकीनन दुःख (जो किसी के निधन पर होता है) रोने का सबसे आम कारण है। लेकिन लोग कुंठा, पीड़ा, असफलता या भयंकर अपमान के कारण भी रोते हैं। इसी के साथ खुशी के आंसुओं को कैसे अनदेखा किया जा सकता है? शतरंज का विश्व कप (महिला) जीतने के बाद दिव्या देशमुख खुशी से रो पड़ी थीं। हालांकि वह जब पिछली प्रतियोगिता में हार गई थीं, तब नहीं रोई थीं, लेकिन विजयी होने पर रोईं। अकसर राहत, बड़ी सफलता, अत्यधिक खुशी भी दुःख जितना ही हमें भाव-विभोर कर देती है। बड़े-बड़े नेता, कलाकार, खिलाड़ी सार्वजनिक मंच पर रो पड़ते हैं। असम के बाढ़ पीड़ितों का हाल सुनाते हुए हेम बरुआ संसद में रोए थे। अपनी फेयरवेल स्पीच देते हुए क्रिकेटर राहुल द्रविड़ रोए थे। आंसुओं ने इन लोगों को छोटा नहीं कर दिया। आंसुओं ने उन्हें अधिक संवेदनशील मनुष्य और भावनाओं से जुड़ा हुआ साबित किया।

मन का उपचार करे आंसूः रोना दवा की तरह भी काम करता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि रोने से गम हल्का हो जाता है। चिकित्सा विज्ञान भी यही कहता है, भावनात्मक आंसुओं में स्ट्रेस हॉर्मोन होते हैं। रोने से तनाव कम हो जाता है, नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है और राहत का अहसास होता है। इसलिए लोग कहते हैं, 'रोने के बाद हल्का महसूस हो रहा है।' जापान में तो रोने के लिए क्लब भी बने हैं, जहां लोग साथ रोने के लिए एकत्र होते हैं। इस प्रथा को 'रुई-कत्सु' (आंसुओं की तलाश) कहते हैं।

कहने का सार है कि हमें आंसुओं को कमजोरी की निशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए कि व्यक्ति ने अपने ऊपर का नियंत्रण खो दिया है। बल्कि यह समझना चाहिए कि आंसू व्यक्ति की सच्ची अभिव्यक्ति है। आज जब हम सब दिखावे के युग में जी रहे हैं, बनावटी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर। ऐसे संसार में सच्चे आंसू ही इंसान की सच्ची अभिव्यक्ति है, जो साबित करते हैं कि हम इंसान हैं। *

{ गीत / कृष्ण बिहारी }

क्या लिखोगे

देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
सादगी से पूर्ण रचना एक भी तो जन नहीं पाए,
सच कहूं तो आदमी भी इसलिए तुम बन नहीं पाए।
खोजकर अमृत पियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
जो अहर्निश एक घातक विष पिएगा वह रचेगा,
छटपटाई मौत मरकर जो जिएगा वह बचेगा।
तुम शहीदाना जियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
कोरे कागजों पर तुमने बस चिड़िया उड़ाई है,
अबतलक समझे नहीं यह भी कि झूठी कमाई है।
रद्दियों जैसे बिकोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?

{ व्यंग्य / केदार शर्मा }

धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है।

रील की झील में डूबते लोग

वैश्विक स्तर पर भारत डेटा उपयोग में दुनिया का नंबर एक देश बना हुआ है, यह समाचार अखबार में पढ़कर गर्व से मस्तक ऊंचा हो गया। दरअसल डेटा, स्क्रीन पर चलने वाली समस्त गतिविधियों का ईंधन है। अगर डेटा न हो तो स्क्रीन की हालत धोबी के कुत्ते जैसी हो जाए, जो न घर का रहता, न घाट का। इस समय डेटा का थोक में उपयोग सबसे लोकप्रिय गतिविधि रील बनाने और देखने में भरपूर हो रहा है। धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है। सुबह बिस्तर से उठने से लेकर रात को सोने तक ये रील-रानी के संग ही उठते-बैठते हैं।

कई बार तो हैरतअंगेज रीलें देखकर दांतों तले अंगुली दब जाती है। प्री-वेडिंग शूटिंग में वर-वधु के बकरा-बकरी की आवाज निकाल कर उनके पोज में एक-दूसरे को प्रपोज करते हुए, क्लास रूम में डांस करती शिक्षिका की, गधे पर उल्टा बैठकर दौड़ाने वाली टाइप, एक से बढ़कर एक अनगिनत रीलें इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और फेसबुक के आकाश में बेरोक-टोक पतंगों की तरह मंडरा रही हैं। अभिव्यक्ति की बेलगाम, बेकाबू असीम और स्वच्छंद आजादी के एक साथ यहां दर्शन होते हैं। इनमें से ही कुछ लोग रील देखते-देखते रील बनाने में उस्ताद बन गए हैं। वे ही इनके प्रोड्यूसर हैं और वे ही कैमरामैन। खेत हो या खलिहान, छत की मुंडेर हो या रेल की ट्रैक, समंदर हो या बवंडर, जो जगह दिल को भाए, वही स्टूडियो बन जाता है। अभिनय के लिए पत्नी-बच्चे ही पर्याप्त हैं। दो से पांच मिनट की रील के लिए क्या स्क्रिप्ट, क्या पटकथा? जरूरत है तो बस चटपटे, हैरतअंगेज और कभी-कभी मूर्खतापूर्ण करतबों की, गालियों की, कंचन-काया की माया के दर्शन कराने और कमर लचकाने की। रीलों ने हर हाथ और हर आंख को काम थमा रखा है। अगर कोई रील खूब वायरल हो गई, तो कमाई भी बल्ले-बल्ले होती है। रीलों की इस दुनिया के आगे 'रीयल' दुनिया फीकी, नीरस और बेमजा लगने लगी है। संस्कारों की दुनिया में भले ही मंदी हो, पर रीलों के सितारों पर बुलंदी है। संस्कारों की थाली भले ही खाली हो, पर रीलों की थाली नित नए मसालेदार 'व्यंजनों' से मालामाल है।

यह कहना बहुत मुश्किल है कि रील को हम बना रहे हैं या रील हमें बना रही है। रील को हम चला रहे हैं या रील हमें चला रही है। एक बार बिना सेंसर की इस गाड़ी में बैठने के बाद ढलान पर लुढ़काती हुई यह हमें कहां ले जाकर छोड़ेगी, भगवान ही मालिक है। कहीं हम रील युग में तो प्रवेश नहीं कर रहे हैं? कुछ भी हो बिना विवेक का इस्तेमाल किए इसमें सफर करने की लत लग गई तो गत का बिगड़ना सुनिश्चित है। रील की इस झील में जो एक बार डूबता है तो बस डूबता ही चला जाता है। रील देखने और बनाने की दीवानगी इस कदर हर उम्र और वर्ग के लोगों पर हावी है कि जैसे उन्हें अपने आस-पास किसी की सुध-बुध ही नहीं रहती, जैसे उनका पूरा अस्तित्व स्मार्टफोन के तल पर टिका गया है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

निर्बंध-उदात्त प्रेम कविताएं

तसलीमा नसरीन जो भी लिखती हैं, वो निर्बंध, भयमुक्त और विचारों का नया आयाम खोलने वाला होता है। हाल में छपकर आई उनकी प्रेम कविताओं के अनुवाद की किताब 'यदि प्यार करो' में भी उनकी लेखनी का वही तेवर देख सकते हैं। वे प्रेम को मन की गहनतम अनुभूति मानती हैं, और इन्हें अभिव्यक्त करने से परहेज नहीं करती हैं। 'जब मेरे साथ तुम नहीं होते/मेरे साथ तब तुम सबसे ज्यादा रहते हो।' और 'तुम्हें देखने पर/मन करता है, शुरू से/शुरुआत करूं जीवन की।' जैसी भावप्रवण पंक्तियों के साथ ही वे इसकी जटिलता को भी बयां करती हैं 'कौन कहता है बहुत आसान है प्रेम/कि चाहो और हो जाए।' *

पुस्तकः यदि प्यार करो, **लेखिकाः** तसलीमा नसरीन, **अनुवादः** कल्लोल चक्रवर्ती,
मूल्यः 199 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

हरियाणा के बहादुरगढ़ में ड्रेन टूटने से हालात बदतर

घरों में पांच फीट तक घुसा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

150 गाड़ियां डूबीं, कॉलोनियां जलमग्न, सेना ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ▶▶| बहादुरगढ़

हरियाणा के बहादुरगढ़ में मंगेशपुर ड्रेन टूटने के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। भारी बारिश और ड्रेन ओवरफ्लो होने से औद्योगिक क्षेत्र से लेकर आवासीय कॉलोनियां पानी में डूब चुकी हैं। हालात से निपटने के लिए सेना की टीम बुलानी पड़ी है। आर्मी की डोट डिवीजन हिसार से आए 80 से ज्यादा जवान एसडीआरएफ के 40 जवानों के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

ड्रेन के टूटने से शहर के विवेकानंद नगर और छोटूराम नगर पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। घरों में चार से पांच फीट तक पानी घुस चुका है, जिससे लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। औद्योगिक क्षेत्र में भी पानी भर गया है। मारुति कंपनी के स्टॉकयार्ड में खड़ी 150 से ज्यादा गाड़ियां पानी में डूब चुकी हैं। इससे करोड़ों का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

युद्धस्तर पर जारी है काम

सेना और एसडीआरएफ की टीमें आठ नावों के साथ मौके पर काम कर रही हैं। उनका मुख्य ध्यान मंगेशपुर ड्रेन के कटाव को रोकने और तटबंध को मजबूत करने पर है। तेज बहाव के कारण दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन समाधान के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है। सेना ने लोहे के जालीनुमा बड़े बॉक्स तैयार कर कटाव के पास लगाए हैं, जिनमें प्लास्टिक बैग्स में मिट्टी भरकर डाली जा रही है ताकि पानी के बहाव को रोका जा सके।

1500 एकड़ फसल जलमग्न : हिसार जिले में घग्गर ड्रेन ने एक बार फिर विकराल रूप ले लिया है। अल सुबह करीब 4 बजे गुड़िया खेड़ा के पास मोडिया खेड़ा गांव में ड्रेन का तटबंध टूट गया। कुछ ही घंटों में दरार 80 फीट तक फैल गई और पानी तेजी से खेतों में घुस गया। इस हादसे से करीब 1500 एकड़ फसल पूरी तरह डूब गई।

सेना ने लगाया मेडिकल कैंप

सिंचाई विभाग और नगर परिषद के 100 से ज्यादा कर्मचारी भी मौके पर तैनात हैं। कर्मचारियों की सुरक्षा और सेहत को देखते हुए सेना ने मेडिकल कैंप लगाया है। वहीं, सिंचाई विभाग की ओर से चाय, बिस्कुट, फल और सूखे राशन जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सिंचाई विभाग के एक्सईएन ईशान सिवाच खुद मौके पर डटे हुए हैं और काम की निगरानी कर रहे हैं।

अपमानजनक विज्ञापन पर बड़ा एक्शन

गूगल पर 3 खरब रुपए का जुर्माना

एजेंसी ▶▶| ब्रुसेल्स

गूगल के खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई की गई है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय कमीशन ने अपमानजनक ऑनलाइन विज्ञापन प्रथाओं की वजह से गूगल पर लगभग 3.5 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। भारतीय रुपए में जुर्माने की ये राशि लगभग 3,08,59,10,87,700 रुपए होती है। यूरोपीय कमीशन का हेडक्वार्टर बेल्जियम के ब्रुसेल्स में है। गूगल के खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। एक तरफ यूरोपीय कमीशन ने गूगल के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है, दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय कमीशन पर नाराजगी जताई है। भारत और अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है, 'वे बहुत अच्छे चल रहे हैं, न केवल गूगल, हमारी सभी बड़ी कंपनियों के साथ जो हो रहा है, उससे हम यूरोपीय संघ से नाराज हैं।' यूरोपीय कमीशन ने गूगल को अपनी खुद को वरीयता देने वाली प्रथाओं को खत्म करने और एडवरटाइजिंग टेक्नालॉजी सप्लाई चेन के साथ हितों के टकराव को रोकने के लिए कदम उठाने का भी आदेश दिया। यूरोपीय कमीशन के नियामकों ने पहले कंपनी को तोड़ने की धमकी दी थी लेकिन फिलहाल उस धमकी को टाल दिया था।

गूगल का सामने आया बयान

गूगल ने कहा है कि ये निर्णय गलत था और वह अपील करेगा। कंपनी के नियामक मामलों के वैश्विक प्रमुख ली-ऐनी मुलहोलैंड ने एक बयान में कहा, 'यह एक अनुचित जुर्माना लगाता है और ऐसे बदलावों की आवश्यकता है जो हजारों यूरोपीय व्यवसायों को नुकसान पहुंचाएंगे, जिससे उनके लिए पैसा कमाना मुश्किल हो जाएगा।'

एक इंटरव्यू में वित्तमंत्री सीतारमण ने दी जानकारी

जीएसटी में बदलाव 'लोगों के लिए सुधार' हर परिवार को होगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आम लोगों को लाभ पहुंचाने उद्योग जगत से चल रही है बातचीत

जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का हुआ है फैसला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव 'लोगों के लिए सुधार है' और इस कदम से देश के हर परिवार को लाभ होगा। साथ ही इस कदम से खपत को बढ़ावा मिलेगा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को गति मिलगी।

सीतारमण ने साक्षात्कार में यह भी कहा कि हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं और उनका रुख सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं 22 सितंबर से (जीएसटी दरों में कटौती के लागू होने की तिथि) इस बात पर विशेष नजर रखेंगी कि दरों में कटौती का लाभ लोगों को मिले।'

ये हैं अब कर की दरें

केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामानों समेत करीब 400 वस्तुओं पर दरें कम की गयी हैं।

इस बात पर थी आम सहमति

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ' जीएसटी परिषद में इस बात को लेकर आम सहमति थी कि लोगों को लाभ मिलना चाहिए... हालांकि कुछ राज्य जरूर राजस्व को लेकर चिंतित थे। लेकिन इस बात को लेकर एक सहमति थी कि दरों में कटौती से सभी को फायदा होना चाहिए।' सीतारमण ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से वस्तुओं के दाम कम होंगे और खपत बढ़ेगी और इससे राजस्व बढ़ने के साथ कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

देश के 140 करोड़ लोगों पर होगा सकारात्मक असर

सीतारमण ने कहा, 'जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है और इस कदम से देश के 140 करोड़ लोगों पर सकारात्मक असर होगा। हर परिवार को इससे लाभ होगा। गरीब से गरीब लोग भी कुछ-न-कुछ खरीदते हैं, उन पर भी दरों में कटौती का सकारात्मक असर होगा।' सीतारमण ने कहा कि यह सुधार 2017 में एक राष्ट्र, एक कर व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा सुधार है और इसे आम आदमी को ध्यान में रखकर किया गया है।

कई कंपनियों ने दाम में कटौती की घोषणा

एक अन्य सवाल के जवाब में सीतारमण ने कहा, 'हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं। उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक है। कई कंपनियों ने दाम में कटौती की घोषणा भी की है।' सीतारमण ने कहा, '22 सितंबर से मेरा पूरा ध्यान इसी पर होगा कि लोगों का इसका लाभ मिले।' उन्होंने मुद्रास्फीति के बारे में कि कहा, 'यह पहले से ही काफी नियंत्रण में है और जीएसटी में यह कटौती वास्तव में लोगों को अधिक उपभोग के लिए प्रेरित करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है।'

वीआईटी चेन्नई में 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

छात्र-छात्राओं को मिलीं उपाधियां

चेन्नई। वीआईटी चेन्नई का 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। तमिलनाडु सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्याग राजन ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में भाग लिया और रैंक धारकों और पीएचडी शोधार्थियों को पदक और उपाधि प्रमाण पत्र प्रदान किए। । लगभग 6,581 स्नातक, स्नातकोत्तर और शोधार्थियों ने अपनी उपाधियाँ प्राप्त कीं। शेली सालेहिन, बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त, बांग्लादेश उप उच्चायोग, चेन्नई, मुख्य अतिथि थे। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान
जिला अस्पताल जर्वे (च.) रोड जांजगीर (छ.ग.)
पिन कोड़ 495668
Email ID: rseti.janjgir.sbi@gmail.com Tel.: 07817-296340

निविदा आमंत्रण

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जिला अस्पताल जर्वे (च) रोड़ जांजगीर, जिला जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पिन नंबर 495668

एस.बी.आई आरसेटी जांजगीर में प्रशिक्षणार्थियों हेतु नाश्ता दो समय का भोजन तीन समय चाय प्रतिदिन मीनू के अनुसार देने हेतु पंजीकृत केटररों से सीलबंद लिफाफे में निविदाये आमंत्रित है। मीनू 08.09.2025 से कार्यालय समय में अवलोकन किये जा सकते है तथा निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि 12.09.2025 कार्यालयीन समय समाप्ति तक होगी, अंतिम निर्णय स्थानीय समिति द्वारा लिया जायेगा तथा प्राप्त किसी अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने के अधिकार स्थानीय समिति को होंगे।

निदेशक
एसबीआई आरसेटी जांजगीर

संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़
सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम,
खेल भवन जी.ई. रोड रायपुर

फोन : 0771-2262178, वेबसाईट :-www.sportsyw.cg.gov.in,
ई-मेल :-dir-sportsyw.cg@gov.in
क्र./पुरस्कार-74/2025-26/1266 रायपुर, दिनांक 04/09/2025

विज्ञापन

गुण्डाधूर सम्मान वर्ष 2025-26 हेतु अनुशंसाओं का आमंत्रण

विषयान्तर्गत 01 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ियों को दिए जाने वाले गुण्डाधूर सम्मान वर्ष 2025-26 हेतु 25 सितम्बर, 2025 तक निर्धारित प्रारूप में अनुशंसाएं आमंत्रित की जाती हैं।

गुण्डाधूर सम्मान एक खिलाड़ी या एक दल को दिया जा सकेगा। प्रत्येक अलंकरण में राशि 1.00 लाख नगद, अलंकरण फलक, प्रशस्ति पत्र से सम्मनित किया जाएगा।

चयन का मापदण्ड :-

1. गुण्डाधूर सम्मान ऐसे पात्र खिलाड़ियों को दिए जाऐंगे, जिन्होंने वर्ष 2024-25 (विगत वर्ष) में ऐसे खेल जिन्हें भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर के खेल अलंकरण हेतु विचार क्षेत्र में लिया जाता है, के सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप या राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेते हुए स्वर्ण पदक या रजत पदक या कांस्य पदक प्राप्त किया हो या अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।
2. यह सम्मान पुरूष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ियों के लिए सम्मिलित रूप से होगा अर्थात उपलब्धियों की तुलना सम्मिलित रूप से की जाएगी।
3. इस सम्मान के लिये उन खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी है या उपलब्धि वर्ष एवं पुरस्कार वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य की किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्था में नियमित अध्ययनरत है या उपलब्धि वर्ष एवं पुरस्कार वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय / अर्द्धशासकीय अथवा सार्वजनिक उपक्रम में निरंतर कार्यरत है।
4. सम्मान हेतु वर्ष की गणना 01 अप्रैल से 31 मार्च तक होगी।
5. यदि चयन समिति की राय में किसी विशेष वर्ष में इस सम्मान को पाने योग्य प्रदर्शन नहीं होता है तो उस वर्ष सम्मान देने की आवश्यकता नहीं है।
6. यह सम्मान विभाग के अन्य खेल पुरस्कारों के अलावा होगा जो खिलाड़ी को उसकी उपलब्धि के लिये दिया गया है, लेकिन महाराजा प्रवीर चंद भंजदेव सम्मान से अलंकृत खिलाड़ी इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं होंगे।
7. यह सम्मान किसी खिलाड़ी को उसके जीवनकाल में केवल एक बार ही दिया जाएगा।
8. यदि किसी खिलाड़ी या दल को उपलब्धि वर्ष या सम्मान वर्ष में मान्यता प्राप्त खेल संगठन द्वारा राज्य या राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से निष्कासित किया गया हो तो उसे संबंधित वर्ष के लिए यह सम्मान प्राप्त करने की पात्रता नहीं होगी।
9. सम्मान हेतु प्रविष्टि के संबंध में किसी प्रकार का दबाव लाया जाना प्रविष्टि के लिए अनर्हता मानी जाएगी।
10. ऐसा माना जाएगा कि जिस खिलाड़ी की प्रविष्टि उसके स्वयं के द्वारा या अन्य किसी स्त्रोत से सम्मान हेतु प्राप्त हुई है, उस खिलाड़ी ने इन सब नियमों को स्वीकार कर लिया है।
11. प्रथम दृष्टि में उपयुक्त होते हुए भी विभाग संबंधित खिलाड़ी की प्रविष्टि पर विचार करने के लिए उस खिलाड़ी की खेल उपलब्धियों की आगे जांच पड़ताल और खोजबीन करने का अधिकार अपने पास रखता है।

गुण्डाधूर सम्मान की नियमावली छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 249, दिनांक 22 सितम्बर 2007 में प्रकाशित हुई है, तत्संबंधी नियमों के सभी प्रावधानों / नियमों / शर्तों का पालन करते हुए इस सम्मान हेतु खिलाड़ी / खिलाड़ियों या एक दल का चयन जूरी द्वारा किया जाएगा।

नौकरी पेशा आवेदकों के लिए:- राज्य / केन्द्र के शासकीय / अर्द्धशासकीय /सार्वजनिक उपक्रम के अधिकारी/कर्मचारी पर सम्मान / पुरस्कार प्राप्त करने हेतु उन पर संबंधित सरकार द्वारा लागू नियम का भी परिपालन किया जाना अनिवार्य है।

उक्त नियमों को खेल विभाग के जिला स्तरीय कार्यालयों में भी देखा जा सकता है तथा निर्धारित प्रपत्र का प्रारूप प्राप्त किया जा सकता है।

अनुशंसा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25 सितम्बर, 2025 है। विभागीय वेबसाईट www.sportsyw.cg.gov.in में आवेदन का प्रारूप प्राप्त किया जा सकता है। इस अवधि में अनुशंसा पत्र, संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, जी.ई. रोड, रायपुर अथवा खेल एवं युवा कल्याण के जिला कार्यालयों में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत किया जा सकता है।

संचालक
जी-252603277/2 खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़, रायपुर

कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को मिली आर्थिक मदद

रिपोर्ट में सामने आई अहम जानकारी

एजेंसी ▶▶| वैंकूवर

कनाडा सरकार की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को कनाडा के अंदर से ही वित्तीय मदद मिली है।

'2025 असेसमेंट ऑफ मनी लांड्रिंग एंड टेरारिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कनाडा के अंदर से आर्थिक मदद हासिल करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों की पहचान बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के रूप में की गई है। दो महीने पहले ही कनाडा की खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1980 के दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद (पीएमवीई) का खतरा खालिस्तानी उग्रवाद के जरिये सामने आया है और हिंसा के जरिये पंजाब में खालिस्तान बनाने की कोशिश की जा रही है।

भारत के दावों की पुष्टि

रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत के पंजाब प्रांत में एक स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने के लिए हिंसक तरीकों का समर्थन करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों पर कनाडा सहित कई देशों में धन जुटाने का संदेह है।' इस रिपोर्ट के आने से भारत के उन दावों की पुष्टि होती दिख रही है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व बिना किसी रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियों को जारी रखे हुए हैं।

राजनीति से प्रेरित है हिंसक उग्रवाद

इस रिपोर्ट के दो महीने बाद कनाडा सरकार की नई रिपोर्ट आयी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, राजनीति से प्रेरित हिंसक उग्रवाद ने नई राजनीतिक व्यवस्थाएं या मौजूदा व्यवस्थाओं के भीतर नई संरचनाओं को बनाने के लिए हिंसा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया। रिपोर्ट के अनुसार, 'राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ में धार्मिक तत्व शामिल हो सकते हैं लेकिन इसके कारक नस्लीय या जातीय वर्चस्व के बजाय राजनीतिक आत्मनिर्णय या प्रतिनिधित्व पर ज्यादा केंद्रित होते हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा में कई आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिज्बुल्ला और खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन कनाडा के अंदर से ही वित्तीय मदद प्राप्त करते हुए मिले हैं।

पूरे देश में एसआईआर लागू कराने की तैयारी

चुनाव आयोग ने दिल्ली में 10 सितंबर को बुलाई अहम बैठक

वैलिड डाक्युमेंट पर मांगेगा सुझाव

बताया जा रहा है कि आयोग लगातार इस बात को लेकर मंथन कर रहा है कि क्या पूरे देश में एक साथ एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है या नहीं। इससे जुड़ी तैयारी को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग की तरफ से सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। सभी राज्यों के चुनाव आयोग को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में वैलिड डॉक्युमेंट की सूची में कौन से और दस्तावेज जोड़े जा सकते हैं, इस पर भी सुझाव मांगा गया है। फिलहाल बिहार में 11 दस्तावेजों को ही मान्य माना गया है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में मतदाता सूची के स्पेशल रिवीजन (एसआईआर) मुद्दे पर सरकार और विपक्षी दलों के बीच तीखी तकरार जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए 10 सितंबर को दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई गई है। बताया जा रहा है कि अगले साल होने वाले बंगाल और केरल जैसे राज्यों में चुनाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। चुनाव आयोग का उद्देश्य एरर फ्री वोटर लिस्ट तैयार करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 सितंबर को दिल्ली के द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में देश भर के चीफ इलेक्शन ऑफिसर की बैठक होने वाली है।

बिहार में मचा हुआ है बवाल

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू कराने पर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर संतोष कुमार आधे घंटे तक एसआईआर की पॉलिसी को लेकर एक प्रेजेंटेशन देंगे। बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है। बिहार के ही मुख्य चुनाव अधिकारी एसआईआर कराने की प्रक्रिया लागू करने संबंधी एक प्रेजेंटेशन देंगे। इसके बाद सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी अपने राज्य में इसे लागू करने की प्रक्रिया से लेकर उसमें आने वाली मुश्किलों समेत दूसरे मुद्दों पर इनपुट शेयर करेंगे। इन सबके साथ ही एक सेशन आखिरी में सवाल-जवाब के लिए भी रखा जाएगा। बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण का काम चल रहा है और वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया का विपक्षी दल जमकर विरोध कर रहे हैं। इसके विरोध में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने प्रदेश में वोट अधिकार यात्रा भी निकाली है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि चुनाव आयोग विपक्ष के आरोपों को नजरअंदाज करते हुए इसे पूरे देश में लागू करने की तैयारी में है। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य में विधानसभा के चुनाव हैं और वहां भी एसआईआर लागू किया जाएगा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

वसूली विभाग- अंचल कार्यालय
प्रथम तल, चावला कॉम्प्लेक्स, साई (देवेंद्र) नगर, रायपुर-492001, ई-मेल: cmmarc_rai@mahabank.co.in
मो: 9007896452

कब्जा सूचना {अचल संपत्ति हेतु नियम-8 (1) के अंतर्गत}

अधोहस्ताक्षरी ने **बैंक ऑफ महाराष्ट्र** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पूर्णगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(2), सपठित नियम 8 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित **उधारकर्ता: मेसर्स सूरजभान अग्रवाल (प्रोप.- श्री ममन चंद अग्रवाल),** पता - मेन रोड, पुराना बस स्टैंड के पास, कोरबा, जिला - कोरबा (छ.ग), पिन - 495677, **जमानतदार: - स्वर्गीय श्रीमती शकुंतला देवी अग्रवाल (उनके कानूनी उत्तराधिकारियों के माध्यम से: - 1. श्री ममन चंद अग्रवाल, 2. श्री आशीष अग्रवाल एवं 3. श्री संदीप अग्रवाल),** सभी का सामान्य पता - मकान नंबर 316, वार्ड नंबर 08, मेन रोड, पुराना बस स्टैंड के पास, कोरबा, जिला - कोरबा(छ. ग), पिन -495677 को दिनांक **03.07.2025** को डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें ऋणी को देय नोटिस में उल्लेखित **कुल राशि- रु.1552746.00 (रुपये पंद्रह लाख बावन हजार सात सौ छियालीस रुपये) +** अतिरिक्त ब्याज @ संविदात्मक दर दिनांक 03.07.2025 से प्रभावी + लागत, शुल्क व **अन्य खर्चे** उपरोक्त उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर जमा करने के लिए कहा गया था।

उधारकर्ता / जमानतदार द्वारा राशि के भुगतान करने में असफल हो जाने पर उधारकर्ता / जमानतदार एवं आम जनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के अधीन, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्ति को दिनांक **02.09.2025** को प्रतीकात्मक कब्जा में ले लिया है। उधारकर्ता / जमानतदार को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि इस संपत्ति बाबत् कोई व्यवहार न करें और इस संपत्ति के बाबत् किये गये व्यवहार पर **बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कोरबा शाखा** को देय राशि जो उपर दर्शाया गया है उसके अध्यधीन होगें।

देनदारों का ध्यान रक्षित संपत्ति को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

बैंक के पास बंधक रखी व प्रतीकात्मक कब्जे में ली गई अचल संपत्ति का विवरण इस प्रकार है :

निष्पादकों/ मलिका का नाम : स्वर्गीय श्रीमती शकुंतला देवी अग्रवाल. खसरा नं 998/26, प.ह नं 09, गुरुद्वारा के पास, पुरानी बस्ती, कोरबा, छत्तीसगढ़ - 495677 में क्षेत्रफल- 1090 वर्ग फुट पर स्थित परिवर्तित भूमि एवं भवन, पंजीकरण जिला - कोरबा, उप-जिला - कोरबा. गत क्रमांक/सर्वे क्रमांक/पुस्तक क्रमांक ए-1, खंड क्रमांक 446, दस्तावेज क्रमांक 717. सीमाएं:-उत्तर - सामान्य गली,पूर्व - गोटिया की भूमि,पश्चिम - अमर सिंह की भूमि,दक्षिण - अमर सिंह की भूमि।

दिनांक: 07.09.2025, स्थान-कोरबा प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबन्धक

यूएनजीए में अब प्रधानमंत्री मोदी की जगह जाएंगे जयशंकर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के अंत में होने जा रही संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी महासभा के वक्ताओं की संशोधित सूची जारी होने के बाद सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 9 सितंबर से शुरू होगा। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक 23 से 29 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। इस बैठक में पहला वक्ता ब्राजील प्रतिनिधि होगा। ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए के मंच से वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे। यह उनके दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र को संबोधित करने का पहला अवसर होगा।

कार्यालय, नगर पंचायत खरोरा, जिला - रायपुर (छ.ग.)
E-mail-npkharora@gmail.com

क्रमांक / 2102/न.पं./ लो.नि.वि./ 2025-26 खरोरा, दिनांक 04.09.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (द्वितीय)

नगर पंचायत खरोरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	ऑनलाईन निविदा डाऊनलोड की अंतिम तिथि
174888	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat kharora under SBM 2.0	187.55	19.09.2025 (Time 5.00PM)

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in/ से भी डाऊनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत खरोरा जिला-रायपुर (छ.ग.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

रोबोटिक सर्जरी...

के विकास में एक नया आयाम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रदेश की जनता को अत्याधुनिक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन कर इस अत्याधुनिक तकनीक की औपचारिक शुरुआत की। यह सिस्टम मध्य भारत के किसी शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में स्थापित होने वाला पहला रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एम्स रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा हेतु एम्स रायपुर में सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है क्योंकि वे हमें जीवन प्रदान करते हैं। आज जिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ हो रहा है, उसे 'देव हस्त' नाम दिया गया है। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि एम्स रायपुर में भर्ती होने वाले अन्य राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा। एम्स रायपुर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार मील का पत्थर साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स रायपुर से मुझे विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि "जब रायपुर एम्स के निर्माण को स्वीकृति मिली, उस समय मैं सांसद था और प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से छत्तीसगढ़ में एम्स की शाखा स्थापित करने का आग्रह किया था। यह आवश्यक था ताकि दिल्ली स्थित एकमात्र एम्स पर मरीजों का दबाव कम हो और अन्य राज्यों के लोगों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके राज्य में ही उपलब्ध हो। हमारा सौभाग्य है कि जिन छह राज्यों में एम्स स्थापित करने की स्वीकृति मिली, उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था। मुख्यमंत्री श्री साय ने परिजन निवास की घोषणा करते हुए कहा कि "दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा कितनी आवश्यक है, यह मैं भली-भांति समझता हूं। सांसद रहते हुए दिल्ली स्थित मेरे आवास को लोग 'मिनी एम्स' कहते थे क्योंकि वहां मैं मरीजों के परिजनों की रुकने की व्यवस्था करता था।

20 महीने में...

था, जबकि आज प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। जीवनशैली और खान-पान में बदलाव के कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में वृद्धि हुई है और इनका इलाज भी महंगा होता है। इसी वजह से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की, जिसके अंतर्गत गरीब वर्ग के लोगों को पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध है। अब वय वंदन योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वर्गों के मरीजों को भी यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

अंधेरे में रेत...

नदी में पोकलेन मशीन उतारकर उत्खनन किया जा रहा है। यह विडियो 5 सितंबर की शाम 6 बजे का है। इस विडियो के आधार पर हरिभूमि की टीम ने शनिवार को ग्राम सेमरा सहित जिले के अन्य कई ग्रामों में जाकर रेत घाटों की लाइव एवं ड्रोन कैमरे से पड़ताल की। इस पड़ताल से सेमरा में उत्खनन की बात सही पाई गई। साथ ही स्थानीय लोगों से यह भी पता चला कि इस घाट में शाम 6 बजे से लेकर रातभर उत्खनन किया जा रहा है तथा सुबह 5.30 बजे से लेकर शाम 5.30 तक उत्खनन बंद कर दिया जाता है। **इन घाट में भी उत्खनन जारी**-टीम चंपारण क्षेत्र के ग्राम सेमरा के साथ ग्राम टीला, ग्राम कुम्हारी, लखना आदि रेत घाट भी पहुंची। इन घाटों में भी रात के समय में नदी से उत्खनन किए जाने की जानकारी स्थानीय लोगों से मिली है। कुछ लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि रात के समय में इन घाट में उत्खनन किया जा रहा है तथा परिवहन भी रात में ही किया जा रहा है। कुछ गाड़ियां सुबह 7 बजे तक भी दिख जाती हैं। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि उनके गांव में मनीष ठाकुर नामक व्यक्ति है, जो यहां अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करा रहा है। **ग्राम कुम्हारी, टीला में रेत संग्रहण**-पड़ताल के दौरान कई ग्राम में अवैध रेत के भंडारण भी मिले। ग्राम कुम्हारी घाट तक जाने वाला मार्ग बहुत ही खराब था। इसके कारण हमारी गाड़ी भी आधे रास्ते तक ही जा सकी, जिसके बाद ड्रोन कैमरे की मदद से कुम्हारी घाट की तस्वीरें ली गईं। इन तस्वीर में रेत का बड़ा पहाड़ भी दिखा। पड़ताल में पता चला कि यहां रेत भंडारण के लिए अनुमति ही नहीं ली गई है। इसी प्रकार ग्राम टीला में भी कई जगह पर अवैध रूप से रेत भंडारण किया मिला।

ड्रोन कैमरे में...

भी जगह-जगह रेत है। इससे स्पष्ट है कि इस नदी में हर रोज शाम से लेकर रातभर रेत का उत्खनन किया जा रहा है।

एमबीबीएस के छात्र ...

इस दौरान साथी और कॉलेज प्रबंधन के लोगों ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, दरवाजा अंदर से बंद था। शक होने पर दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के अंदर हिमांशु का शव लोहे के एंगल से रस्सी के फंदे पर लटकता मिला। तत्काल इसकी सूचना सिविल लाइन पुलिस को दी गई।

भाजयुमो के पूर्व...

जरूर है कि पार्टी की बैठकों में मुझे बुलाया जा रहा है। 31 अगस्त को हुई बैठक में जब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह भी आए थे, तब भी मुझे बुलाया गया था। भाजयुमो के नए प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा के पदभार में भी मैं गया था। नए अध्यक्ष ने मुझे बुलाया था तो मैं गया और उनको पदभार सौंपने का काम किया।

अब एक मात्र...

विकास होना चाहिए। इस मद का पैसा एक ही स्थान पर खर्च करना ठीक नहीं है। मैंने इसी बात का ही विरोध किया था।

लुत्ती के बाद...

विभाग ने बांध के मरम्मत का काम शुरू कर दिया है और सिर्फ 2 मीटर ही पानी निकलने की संभावना है। बताया जा रहा है सरगुजा के लुंड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम गेरसा में जल संसाधन विभाग का लघु सिंचाई योजना का बांध स्थित है। इस बांध से शुक्रवार की शाम से ही रिसाव होना शुरू हो गया था और शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे अचानक ही बांध के दाईं फ्लैन्क का 25-30 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बांध के टूटने व बाढ़ की शक्ल में पानी तेजी से निकलने लगा। ऐसे में गांव में हड़कंप मच गया। बांध टूटने की जानकारी मिलने के बाद विभाग के आला अधिकारियों के साथ ही कलेक्टर, जिपं सीईओ विनय अग्रवाल, एसएसपी राजेश अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे।

लोग सुरक्षित, फसलें...

करने के निर्देश दिए है ताकि जान-माल की हानि न हो। प्रभावित किसानों की फसल क्षति का त्वरित सर्वे कर मुआवजा भुगतान की कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ कर दी गई है। प्रभावित क्षेत्र में मछली पकड़ने की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने कहा गया है।

1990 में बनकर...

एवं रबी फसलों की सिंचाई होती है। बांध की अधिकतम ऊंचाई लगभग 24 मीटर है तथा इसका कैचमेंट क्षेत्रफल 1.95 वर्ग किलोमीटर है। जलभराव की क्षमता 0.96 एमसीएम है। घटना के समय बांध में लगभग 0.15 एमसीएम पानी भरा हुआ था।

भारत और अमेरिका...

दौर से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह इस बात से बहुत निराश हैं कि भारत रूस से 'इतना ज्यादा' तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे इस बात से बहुत निराशा हुई है कि भारत रूस से इतना तेल खरीदेगा और मैंने उन्हें यह बता दिया है।

बच्ची से उठक बैठक ...

की गई। उठक बैठक के कारण छात्रा के पैर की मांसपेशियों में खिंचाव हो गया जिससे वह दर्द से तड़प रही है और वह सीधे खड़े तक नहीं हो पा रही है। इस घटना से बच्ची डरी हुई है। वहीं परिजन का आरोप है कि जब उन्होंने स्कूल में प्राचार्य से मामले की शिकायत की तो प्राचार्य ने भी मामले में कार्रवाई नहीं की और पूरी घटना को ही झुठला दिया। बच्ची के साथ हुई इस घटना को हरिभूमि ने 6 सितम्बर के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशन के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है। **ड़ीईओ के पत्र के बाद की कार्रवाई** -जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा ने वायरल वीडियो के साथ ही प्रकाशित खबर के आधार पर डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के भिलाई स्थित क्षेत्रीय संचालक को पत्र लिखकर कार्रवाई करने की अनुशंसा की थी। डीईओ के पत्र के बाद 6 सितम्बर को क्षेत्रीय संचालक ने शिक्षिका नम्रता गुप्ता को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है जबकि इस मामले में लापरवाही और शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं करने को लेकर प्रभारी प्राचार्य राजीव सिंह को जिम्मेदार माना गया है। क्षेत्रीय संचालक ने मामले में प्रभारी प्राचार्य राजीव सिंह को छुट्टी पर भेज दिया है इसके साथ ही कार्रवाई जारी है।

पावागढ़ मंदिर में...

कार का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण रोपवे को सुबह से ही आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था। पावागढ़ पहाड़ी की चोटी पर देवी काली को समर्पित एक भव्य मंदिर है। यहां हर साल लगभग 25 लाख आगंतुक आते हैं। **धार्मिक स्थल पर मातम**-पावागढ़ शक्ति पीठ मां काली को समर्पित मंदिर है। यह स्थान गुजरात का प्रमुख धार्मिक केंद्र है, जहां हर साल लगभग 25 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में मातम और दहशत का माहौल है। लोग हादसे को लेकर चिंता जता रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

26 साल बाद...

गया है। इसके साथ ही अब छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश के पर्यटकों के लिए त्रिपुरा,असम और मणिपुर से घिरे हुए मिजोरम की राजधानी आइजोल में छुट्टी बिताने की राह आसान हो जाएगी। हरिभूमि ने विस्टाडोम ट्रेन से इस परियोजना का भ्रमण किया। इस योजना में 12.8 किमी में 48 सुरंगे बनी हैं, वही 142 ब्रिज हैं। जिसमें 55 बड़े, 87 छोटे ब्रिज शामिल हैं। इस वजह से बैराबी-सैरांग रेल लाइन को देश की सबसे कठिन परियोजनाओं में गिना जा रहा है। इनमें से सबसे ऊंचा ब्रिज 104 मीटर का है, जो कुतुबमीनार से भी ऊंचा है और भारतीय रेलवे का दूसरा सबसे ऊंचा ब्रिज माना जा रहा है। इस लाइन पर पांच रोड ओवरब्रिज और छह अंडरपास भी बनाए गए हैं। पूरी परियोजना को आधुनिक तकनीक से डिजाइन किया गया है, जिससे ट्रेन 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकेगी।

3 राज्यों के...

सेक्शन पर जहां रेलवे पुलों की ऊंचाई 10 से 15 मीटर होती है, वहीं इस सेक्शन पर पुल की औसत ऊंचाई 56 मीटर रखी गई। यह प्रोजेक्ट बेहद दुर्गम पहाड़ी इलाकों से गुजरता है। यहां तक सामान पहुंचाने के लिए मजदूर बिहार, बंगाल और असम से बुलाए गए और लगातार 11 साल की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ।

चंद्रग्रहण आज, 100...

है। इस बार लगने वाला पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जो कि शनि की राशि कुंभ और गुरु के नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद में लगने जा रहा है। वैसे तो चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन इसे ज्योतिर्विदों के नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।। वैदिक पंचांग के अनुसार, ग्रहण की शुरुआत रात 9 बजकर 57 मिनट पर होगी और इसका समापन अर्धरात्रि 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। आपको बता दें कि साल का आखिरी चंद्रग्रहण भारत में भी दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य रहेगा। इसका असर दो दिनों तक रहेगा। 7 सितंबर को दोपहर 12.57 बजे से सूतक शुरू हो जाएगा। सूतक कॉल चंद्र ग्रहण के 9 घंटे पहले शुरू हो जाएगा। सूतक कॉल 7 सितंबर से शुरू होकर 8 सितंबर शुरू होने पर रात्रि में 1.26 बजे समाप्त होगा। इस दौरान मंदिरों के कपाट सूर्योदय तक बंद रहेंगे। चन्द्र ग्रहण के दौरान घरों में भोजन आदि नहीं बनता। सूतक में बना भोजन अशुद्ध माना जाता है। इस दौरान लोग भोजन भी नहीं करते। सिर्फ भगवान का भजन कीर्तन ही किया जाता है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids सुनाई मशीन • Dental/ दंत रोग • मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साँई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
94060-21769

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE

दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस | मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773

लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच करायें व अपने पैसे बहुतायत से बचायें।
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करें- 9039055548, 9300000989, 9300000702

20 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
Lab Care DIAGNOSTICS COMPLETE PATHOLOGY SOLUTION
लैब केयर डायग्नोस्टिक्स
Mo.: 9826725383
पैथोलॉजी की सभी सेवाएं उपलब्ध है
50% डिस्काउंट के साथ जांच करें
पता: लीलाअग्रोबीवी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने, दत्त स्ट्रीट्स के पीछे, बचपन अस्पताल के पास, महादेव घाट रोड, रिंग रोड चौक, रायपुर, (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें -
9303508130, 9302016344, 7909631282

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर में साफ सफाई करने और नाइट ड्यूटी के लिए एक चौकीदार की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-75838 08008 (38632)

आवश्यकता है- (1) बच्चे की देखभाल एवं घर के कामकाज करने वाली (2) खाना बनाने हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है। सम्पर्क करें– सुबह 9 से शाम 7बजे तक डॉक्टर अनिल अग्रवाल, नेहरु नगर प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, बिलासपुर 7999877858 (38631)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में सीनियर सेल्समैन की आवश्यकता है जो कोरबा चांपा, मुंगेली में कार्य कर सके। संपर्क करें मिहिर मेडिकोज मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर मो. 7974670905 (38627)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़के , लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10बजे से रात 9बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (38629)

आवश्यकता है- कॉर्टून पैकिंग एवं गोडाऊन कार्य हेतु मेहनती एवं अनुभवी लड़कों एवं बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवक/युवती की आवश्यकता है संपर्क करें मालिकराम मेडिकल एजेंसी तेलीपारा बिलासपुर (38625)

आवश्यकता है- Aquaguard सर्विस सेन्टर में फील्ड कार्य के लिए 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट बाईक वाले लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हर्ष इंटरप्राइजेस, विनोबा नगर बिलासपुर 90390 14222, 8962337374 (38622)

JOB VACANCY
Personal Assistant to General Manager
We are looking for a Female Personal Assistant (PA) to the General Manager.
Requirements
Proficiency in MS Excel (wellversed in data handling & reporting)
Good English communication skills (spoken & written)
Expertise in mail drafting & handling correspondence
Highly organized, proactive, and professional in approach
Location: Bilaspur
Experience
Minimum 1 to 2 years preferred
SHIVAM MOTORS PVT.LTD.
Near New Bus Stand Tifra Bilaspur (C.G.)
8120002312
Mail id: ravindra.rawat@shivammotors.co.in

आवश्यकता है- घर के सभी काम करने हेतु पुरुष, महिला की आवश्यकता है जो घर में रहकर कार्य कर सके। सम्पर्क करें- चन्द्रादेवी शांति नगर, गौरव पथ रिंग रोड नं.2 बिलासपुर 9827405996 (38528)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़को आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ओम एजेन्सी बाल्मीकि चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर (38606)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य (फाईनेंस कार्य) हेतु Branch Manager, सर्विस मैनेजर, Development Officer, फील्ड ऑफिसर, सर्वेयर, Counselor, Accountant, TeleCaller, Office Boy (Peon) की आवश्यकता है वेतन 10000 से 35000 सम्पर्क करें- A/216, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6269222001, 9755990933 (38608)

आवश्यकता है- OMI Company में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000, रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021 (38594)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फर्नीचर शोरूम में सेल्स कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 2वर्ष का अनुभव। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 96919 14123 (बायोडाटा व्हाट्सएप करें) (38602)

आवश्यकता है- घरेलू कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से 2बजे तक लिटिल फ्लावर स्कूल ओम नगर राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9329258565 (38624)

आवश्यकता है- सिलपहरी स्थित फैक्ट्री में केमिस्ट (पिग आयरन से संबंधित या फेरो एलायज से संबंधित जानकारी हो) एवं एक लैब सेमप्लट की योग्यता 10 पास पूर्ण जानकारी के साथ संपर्क करें 913110 6922 (38626)

आवश्यकता है- हॉटल में कार्य करने हेतु दो लड़के चाहिए वेतन 5000 से 6000 संपर्क करें हॉटल द ऐनी श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पीछे नेहरू नगर बिलासपुर मो. 70673 10092, 8815664344 (38618)

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में मीठा नमकीन बनाने हेतु कुक साउथ इंडियन कुक, वेटर सप्लायर, काउंटर सप्लायर चाहिए केवल अनुभवी ही सम्पर्क करे तृप्ति रेस्टोरेन्ट बस स्टॉप के पास महामाया चौक बिलासपुर 9993721402 (38623)

आवश्यकता है- (1) माजदा/ आइशर ड्राइवर-2 (2) पिकअप ड्राइवर-2 (3) ऑफिस में काम करने हेतु चार लेबर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रतीक ऑटोमोबाइल, बबल आइलैंड के सामने सिरगिटी रोड बिलासपुर 8827773222 (38621)

आवश्यकता है- कार एवं एक्सेसरीज (आटो पाट्र्स) दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (38619)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़के सेल्समैन चाहिये वेतन 5000 से 10000 तक योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स शाप नं.- 37 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 93292 92940, 07752409903 (38620)

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट सुपरवाइजर एवं इंजीनियर (autocad structural knowledge साइट चलाने योग्य (2) ऑफिस वर्क, साइट, रजिस्ट्री, राजस्व, डायवर्सन, नामांतरण निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (38614)

आवश्यकता है- CCTV कैमरा लगाने हेतु अनुभवी युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- Rays इलेक्ट्रिकल, होटल अजीत के नीचे, मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 97527 60266 (38613)

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में कॉपी बनाने एवं अन्य कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार (समय 10am - 7pm) सम्पर्कः– साइंस कॉलेज सरकंडा 75872 03133 (259)

आवश्यकता है-अम्माजी ट्रेडर्स में कलेक्शन कार्य के लिए लड़के की आवश्यकता है बाइक अनिवार्य सम्पर्क करें- 9699991449 (38566)

Required- B.R.C.P.H.S. School kunda Kabirdham (C.G.) Requirments for the Post of P.G.T. English, Biology, T.G.T. English, Maths Qualification P.G./ Graduate+ B.Ed, dance and singing teacher, Salary 15k-30k Note 2-3Yrs Ex. in English Medium School Contact- 9826773333 (38600)

आवश्यकता है- कोनी में घरेलू कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 12000 आवास फ्री। सम्पर्क करें- स्किन क्योर क्लीनिक ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा लिंक रोड बिलासपुर 95060 60404 (38607)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड चाहिए। रहने की सुविधा उपलब्ध। मिलने का समय 2-8 तक, बीआर ग्वालानी चेम्बर्स केडी कंस्ट्रक्शन ऑफिस नं. F1/F2 सेकेंड फ्लोर इनकम टैक्स ऑफिस रोड व्यापार विहार बिलासपुर 82692 08555 (848)

आवश्यकता है- रियल स्टेट कार्य हेतु न्यूनतम 2वर्ष अनुभवी पढ़े, लिखे युवक की आवश्यकता है जिसे प्रॉपर्टी संबंधित नामांतरण डायवर्सन एवं प्रॉपर्टी संबंधित अन्य कार्य करने का अनुभव हो। सम्पर्क 7974786029 (38603)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य करने के लिए अनुभवी सेल्समैन युवक, सेल्सगर्ल युवती एवं एक कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मंगलम ज्वेलर्स सदर बाजार बिलासपुर (38592)

आवश्यकता है- सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड एग्जीक्यूटिव, टैलीकॉलिंग (बिलासपुर) एवं सेल्स एग्जीक्यूटिव (1पद मुंगेली) आवश्यकता है। इंटरव्यू सुबह 10:30 से शाम 5.30 सम्पर्क करें- वरूण सुजुकी राजीव गांधी चौक रायपुर रोड बिलासपुर 9174734567 (38599)

Required- Smart salesgirl required in jewellery showroom, experienced preferred. Contact- Chhedilal Motilal Jewellers, Sadar Bazar Bilaspur 98271 81112 (38609)

आवश्यकता है-लॉज में झाड़ू पोछा एवं वेटर काम करने जरूरतमन्द कर्मचारी की तत्काल आवश्यकता है वेतन 10000 ग्रामीणों को भोजन आवास निःशुल्क सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9827940898, 9406390898 (38587)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीराम ट्रेडर्स, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा, बिलासपुर बायोडाटा व्हाट्सएप करें 9425219248, 90397 76336 (38597)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिलानुसार लड़के-लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-790 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 27500+ 56500 पढ़ाई 8-वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे सचिन शर्मा- 7054311719 (1136)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- शादी घर में देखरेख, साफ, सफाई कार्य के लिए नशामुक्त, ईमानदार, मेहनती, शिक्षित अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। परिवार सहित रहन की सुविधा। सम्पर्क करें- 7999043732, 70007 99879, 9993450848, 9752777077 (38598)

आवश्यकता है- ऑफिस सामान्य कार्य हेतु युवती वेतन 8000, हिन्दी टाइपिंग, कम्प्यूटर जानकार युवती/युवक वेतन 10000, कार ड्राइवर 12000 समय- सुबह 9.30 से 8 तक पता- JBS होम कंस्ट्रक्शन हेमू नगर मुर्राभटठा मेन रोड तोरवा 9300000194, 93000 00195 (38593)

आवश्यकता है-6वर्ष, 8वर्ष के बच्चों को घर आकर पढ़ाने हेतु फुल टाइम के लिए एक फ्रेशर युवती चाहिए अधिकतम आयु 22वर्ष, शिक्षा 12वीं पास, वेतन 6000 से 10000 सम्पर्क करें-7587258374 (38575)

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में कम्प्यूटर आपरेटर, फिल्ड में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन अनुभव एवं योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शारदा मेडिकल एजेन्सी 35-36 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (38595)

आवश्यकता है- बिलासपुर के प्रतिष्ठित संस्थानों हेतु भारी मात्रा में सुरक्षागार्ड, हाउस कीपिंग स्टाफ, मेस कुक, ड्राइवर हेल्पर चाहिए पता- अनुराज ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज एक्सिस बैंक के ऊपर तिफरा बिलासपुर 9981614171, 9329308515 (38596)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:-9202613238, 9229187457 (1137)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु 18से 30 वर्ष की युवतियाँ एवं महिलाएँ सैलरी 6000 +कमिशन एवं बोनस की सुविधा उपलब्ध स्थानः- रामा मॅग्नेटो मॉल के पास विद्यानगर इच्छुक उम्मीदवार तुरंत संपर्क 9450676323 (255)

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग हेतु युवतियों व महिलाओं की आवश्यकता है, योग्यता आठवीं, दसवीं से ग्रेजुएशन, वेतन 4,000 से 5000/- +कमीशन (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्क करें:- गुरुनानक चौक तोरवा बिलासपुर 8962220383 (260)

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी ,को रायपुर के लिए सिक्योरिटी गार्ड की सेलरी. 12000 से 13000, सुपरवाइजर,16000.17000 रहने की सुविधा फ्री EPF and ESIC लागू संपर्क करें - 9993335387 (672)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000-45000/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें-7295935703 (1144)

आवश्यकता है-इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18-30वर्ष, 10वी, 12वी, ग्रेजुएट लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन बोनस के साथ कमाए 15000 से 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 7611101133 (412)

बेचना

बेचना है- हेमू नगर नारायणी टावर के पीछे गणपति चौक के पास नया मकान 3BHK, डुप्लेक्स 3बाथरूम, 2हॉल, किचन पूजा रूम 3कमरा, कार पार्किंग सुविधा। मकान बेचना है। संपर्क 9098251177, 91444 46663 (38616)

ROYAL RESALE PROPERTY
(मोपका क्षेत्र में सरकारी रेट में प्लॉट उपलब्ध है)
नामान्तरण, डायवर्सन, रजिस्ट्री ऑन लाइन,ऑफ लाइन
मकान इन्दिरा कॉलोनी शीघ्र बिक्री हेतु
(सरकारी रेट में उपलब्ध है)
सम्पर्क करें सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे
6260024177, 8506867291 9907423136

बेचना है- बिलासपुर सकरी में 25×57 एवं 25×56 वर्गफुट के दो कमर्शियल प्लॉट कानन पेंडारी से लगे हुए हैं अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 97530 61397 (38610)

बेचना है- शांती नगर बिलासपुर में शिवम रेसीडेन्सी अपार्टमेन्ट में थर्ड फ्लोर में स्थित सर्वसुविधायुक्त 2BHK फ्लैट नम्बर सी-304, बेचना है सम्पर्क करे 9827158035 (38628)

किराया

किराया- व्यापार विहार श्रीराम टावर के पीछे गार्डन के सामने 1600 वर्गफीट हॉल किराए से देना है, कन्सल्टेंसी, सर्विस एजेन्सी, कम्पनी, बॉयज हॉस्टल व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त। सम्पर्क करें- 9424254836, 83192 59757 (38630)

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- जाति बंधन नहीं - उम्र 62 वर्ष, हाइट- 5'4'', M.A,,B.ed, गवर्नमेंट टीचर (रिटायर्ड) मासिक पेंशन- 65,000/- सुंदर, सुशील महिला हेतु विदुर तलाकशुदा घर जमाई सभी वर मान्य है संपर्क 7083617207 (1145)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं ,बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.- 9826294381, 93890 24361 (671)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

फिडे ग्रैंड स्विस: गुकेश को 14 साल के यागिज ने ड्रॉ पर रोका, वैशाली शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶| समरकंद

विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस के दूसरे दौर में तुर्किये के 14 वर्षीय यागिज खान एर्दोगमस ने ड्रॉ पर रोका, जबकि गत चैंपियन आर वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो गेमों में जीत के साथ वह ऑस्ट्रिया की ओलगा बेडेल्का के साथ संयुक्त रूप शीर्ष पर हैं। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी और अंततः ड्रॉ के लिए समझौता करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद ने इवान जेनलियान्स्की को हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की।

प्रज्ञानानंद ने की वापसी

ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। दूसरी ओर, भारत के एक अन्य ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने वापसी की और रूस के जेनलियान्स्की के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रहे। जेनलियान्स्की फिडे झंडे के तले खेलने उतरे क्योंकि रूस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ओपन वर्ग में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा, ईरान के परहम माघसूदलो और स्लोवेनिया के एंटन डेमचेंको दो-दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

वैशाली के पास एकल बढ़त बनाने का मौका

महिलाओं के वर्ग में भारत की आर वैशाली ने विजयी अभियान जारी रखा और लगातार दो जीत दर्ज कर दो अंक लेकर वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। रेटिंग में अपनी मजबूत स्थिति के कारण वैशाली के पास एकल बढ़त हासिल करने का मौका है। उन्होंने दो साल पहले यहां जीत दर्ज की थी और एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार हैं। यह ग्रैंड स्विस का चौथा सत्र है, जहां दोनों वर्ग के शीर्ष दो खिलाड़ियों के पास अगले साल होने वाले फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। आठ खिलाड़ियों के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से विश्व चैंपियनशिप का अगला चैलेंजर तय होता है।

भारत ने नौवीं बार फाइनल में बनाई जगह

हॉकी एशिया कप: भारत ने चीन को 7-0 से हराया, पहुंचा फाइनल में

एजेंसी ▶▶|राजगीर

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच गई। उसने चीन को सुपर 4 के आखिरी मुकाबले में 7-0 से रौंदा। यह भारतीय पुरुष हॉकी टीम की चीन के खिलाफ 43 साल में सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले 1982 में जब पहली बार एशिया कप हॉकी खेली गई थी तब उसने इसी अंतर से चीन को हराया था। भारत का अब खिताबी मुकाबले में कोरिया से मुकाबला होगा। यह इकलौती टीम है, जिसे इस एडिशन में भारत हरा नहीं पाया। सुपर 4 में दोनों का मुकाबला 2-2 से बराबर रहा था। साथ ही कोरिया एशिया कप की सबसे सफल टीम है और डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

■ भारत के लिए चीन के खिलाफ छह खिलाड़ियों ने गोल दागे

भारत ने तीन बार जीता खिताब

भारतीय टीम ने नौवीं बार एशिया कप हॉकी के फाइनल में जगह बनाई। उसने अभी तक तीन बार 2003, 2007 और 2017 में खिताब जीता है। 1982, 1985, 1989, 1994 और 2013 में भारत को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 2022 में जब आखिरी बार एशिया कप हुआ तब टीम इंडिया तीसरे नंबर पर रही थी। भारत और कोरिया के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल 7 सितंबर को खेला जाना है, जो यह मुकाबला जीतेगा उसे सीधे वर्ल्ड कप में जगह मिलेगी।

अभिषेक ने दागे 2 गोल

भारत की ओर से चीन के खिलाफ मुकाबले में शिलानंद लाकड़ा ने सबसे पहले चौथे मिनट में गोल किया। फिर सातवें मिनट में दिलप्रीत सिंह, 18वें मिनट में मनदीप सिंह, 37वें मिनट में राजकुमार पाल, 39वें मिनट में सुखजीत सिंह, 46वें व 50वें मिनट में अभिषेक ने गोल किए। भारतीय टीम हाफ टाइम तक 3-0 से आगे थी। उसने दूसरे हाफ में चार गोल किए।

साउथ कोरिया ने सबसे ज्यादा बार जीता खिताब

हॉकी एशिया कप के इतिहास में साउथ कोरिया की टीम सबसे सफल टीम है। कोरियाई टीम अभी तक पांच बार हॉकी एशिया कप का खिताब जीत चुकी है। वहीं भारतीय टीम ने तीन बार हॉकी एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की। अब 7 सितंबर को भारत के सामने साउथ कोरिया की चुनौती होगी। फाइनल मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी। वह हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लेगी। इससे पहले कोरिया ने मलेशिया को 4-3 से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन एक समय 0-2 से पिछड़ रही थी लेकिन उसने गजब की वापसी करते हुए सुपर 4 में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। भारत की जीत के बाद उसकी फाइनल में जगह पक्की हो गई।

भारत की महिला टीम ने जापान को ड्रा पर रोका

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशिया कप 2025 में जापान को 2-2 के ड्रॉ पर रोक दिया। इससे उसने अपने ग्रुप में टॉप पर कब्जा बरकरार रखा। पूल बी के मुकाबले में भारतीय टीम ने दो बार पिछड़न से उबरते हुए मुकाबले को बराबर किया। जापान इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन है। जापान की ओर से हिरोका मुरायामा ने 10वें और चिको फुजिबायाशी ने 58वें मिनट में गोल किए। टीम इंडिया की तरफ से रुतुजा दादासो पिसल ने 30वें और नवनीत ने 60वें मिनट में गोल किया। भारत अभी रैंकिंग में 10वें और जापान 12वें स्थान पर है। टीम इंडिया ने अपना पहला मैच थाईलैंड के साथ 11-0 से जीता था। उसकी अगली टक्कर सिंगापुर के साथ 8 सितंबर को है। भारत अभी अपने पूल में सबसे आगे है।

डाब्रोवस्की- रुटलिफ ने दूसरी बार जीता महिला युगल का खिताब

गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रुटलिफ ने फाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करके तीन वर्षों में दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता। तीसरी वरीयता प्राप्त डाब्रोवस्की और राउटलिफ ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष रैंकिंग वाली जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। इसके बाद डाब्रोवस्की और रुटलिफ गले मिले। इन दोनों ने स्तन कैंसर के इलाज के बाद डाब्रोवस्की की पहली बड़ी जीत का जश्न मनाया। उन्होंने पिछले साल विंबलडन में खेलने के लिए अपना इलाज कुछ समय के लिए टाल दिया था। तब वे फाइनल में टाउनसेंड और सिनियाकोवा से हार गए थे। डाब्रोवस्की ने मैच के बाद कहा, 'कैंसर और चोटिल होने के कारण हमारे लिए यह सफर बहुत मुश्किल था।

25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश जारी रखूंगा : जोकोविच

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की अपनी कोशिश जारी रखेंगे। कार्लोस अल्काराज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच कुछ अवसरों पर अच्छी स्थिति में दिखे लेकिन आखिर में उन्हें सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की अपनी कोशिश जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करुंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा।' सेमीफाइनल मैच के बारे में जोकोविच ने कहा, 'दुर्भाग्य से, दूसरे सेट के बाद मेरी ऊर्जा खत्म हो गई। मेरे पास उनसे मुकाबला करने और दो सेट तक उनकी लय बनाए रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा थी।

वित्तीय सेवाएं विभाग
DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES
3 महीने
वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान
(1 जुलाई 2025-30 सितंबर 2025)
देश भर में कुल 2.7 लाख शिविर
pnb punjab national bank ...the name you can BANK upon!
प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर
शिविरों में दी जाने वाली सुविधाएं
शून्य शेष राशि पर पीएमजेडीवाई खाता खोलना, कोई शुल्क नहीं और ₹2 लाख के दुर्घटना बीमा के साथ निःशुल्क डेबिट कार्ड
PM Jeevan Jyoti Bima Yojana
केवल ₹436 प्रति वर्ष के प्रीमियम पर 2 लाख के जीवन बीमा कवर के लिए पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन (पात्रता: 18-50 वर्ष)
PM Suraksha Bima Yojana
केवल ₹20 प्रति वर्ष के प्रीमियम पर ₹2 लाख के दुर्घटना बीमा कवर के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में नामांकन (पात्रता: 18-70 वर्ष)
Atal Pension Yojana
₹1000 से ₹5000 प्रति माह तक की गारंटीकृत पेंशन के लिए अटल पेंशन योजना की सदस्यता (पात्रता: 18-40 वर्ष)
10 या उससे अधिक वर्ष पहले खोले गए बचत खातों और पीएमजेडीवाई खातों तथा निष्क्रिय खातों के लिए भी पुनः केवाईसी करवाएं।
डिजिटल धोखाधड़ी से खुद को कैसे बचाएं और RBI द्वारा दावा न किए गए जमा में स्थानांतरित धन का दावा कैसे करें, इस बारे में जानकारी प्राप्त करें
अधिक जानकारी के लिए कृपया अपनी निकटतम बैंक शाखा / बीसी से संपर्क करें
इस मुहिम में शामिल हों। इसका प्रचार-प्रसार करें। बीमा करवाएँ
जनसुरक्षा योजना नामांकन, खाता खोलने, पुनः केवाईसी और धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए प्रत्येक पंचायत में शिविर पर जाएँ।
बैंक आपके दरवाजे पर लाभ उठाएँ

नफीस-रुद्रा ने जीता अंडर-19 खिताब

जयपुर। युशा नफीस और रुद्रा सिंह ने इंडियन जूनियर ओपन स्क्वाश चैंपियनशिप में क्रमशः लड़कों और लड़कियों के अंडर-19 वर्ग के खिताब जीते।

एक साल में तीसरी बार, सबसे बड़े मुकाबले में आमने-सामने दो दिग्गज

न्यूयॉर्क। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और नंबर दो खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। यह इस वर्ष लगातार तीसरा अवसर होगा जबकि दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले यह दो खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे।

मैं परिपक्व हो रहा हूं : अल्काराज

अल्काराज ने कहा, 'मैं मैचों, टूर्नामेंट, पूरे साल, कुल मिलाकर, निरंतरता बनाए रखने पर काम कर रहा हूं। बस किसी भी मैच में उतार-चढ़ाव न हो। शायद, मैं परिपक्व हो रहा हूं, खुद को और बेहतर तरीके से जान रहा हूं और यह समझ रहा हूं कि कोर्ट के अंदर और बाहर मुझे क्या करना चाहिए।'

कोर्ट में कार्लोस ने निकाला मोबाइल

अल्काराज ने खेले गए पहले सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-6 (4), 6-2 से हराया। उन्होंने जीत हासिल करने के बाद सभी को एक पल रुकने के लिए कहा। अल्काराज ने जेब से अपना मोबाइल फोन निकाला ताकि वह सिनर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच दूसरे सेमीफाइनल का स्कोर देख सके लेकिन तब उस मैच का पहला सेट ही चल रहा था। सिनर ने इसके कुछ घंटे बाद ऑगर-अलियासिमे पर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल करके अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और रोमांचक मुकाबले की नींव रखी।

नंबर एक रैंकिंग का होगा फैसला

रविवार को होने वाले फाइनल का परिणाम जो भी हो यह सुनिश्चित है कि यह जोड़ी पिछली आठ ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को साझा करेगी और पिछले 13 में से 10 पर कब्जा करेगी। अल्काराज ने अभी तक पांच और सिनर ने चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मैच से नंबर एक रैंकिंग का भी फैसला होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस मैच को देखने के लिए आ सकते हैं। अल्काराज ने जून में फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था।

राशिफल

मेष मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

शब्द पहेली - 5981

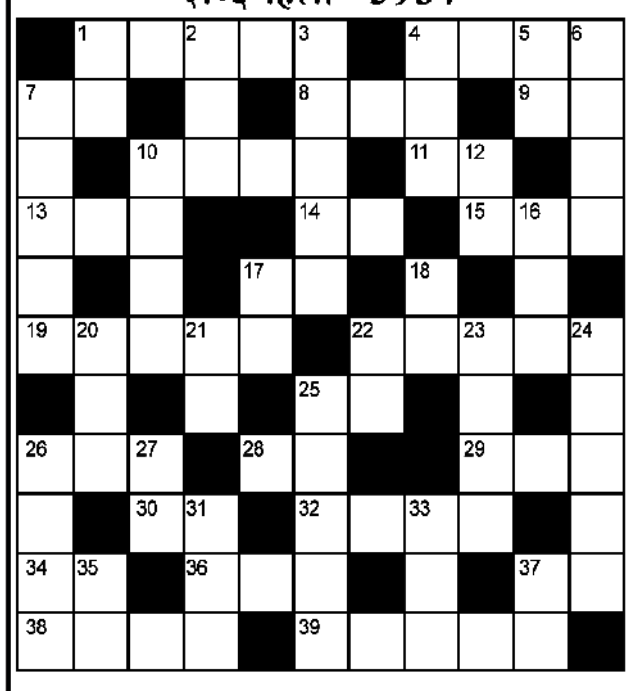

बाएँ से दाएँ
1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बड़प्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्द्र,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे
1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5980 का हल

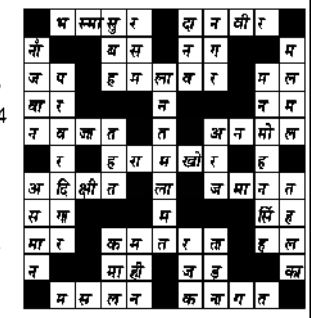

सूडोकु नवताल - 5991

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SEWACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5990 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

दुनिया के सबसे अजीबोगरीब संग्रह

कटे हुए नाखूनों से लेकर अभिनेताओं के बालों तक

कुछ लोग घड़ियां जमा करने का शौक रखते हैं तो कुछ को कला संग्रहित करना पसंद होता है। लोग इस शौक को पूरा करने के लिए लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करने से भी नहीं कतराते हैं। हालांकि, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जिन्हें साधारण के बजाय विचित्र चीजें जमा करना पसंद होता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे अजीबोगरीब संग्रहों के बारे में बताएंगे। इनके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे और यकीन कर पाना मुश्किल हो जाएगा।

हॉलीवुड सितारों के बालों का संग्रह

लोगों को फिल्म जगत की हस्तियों के जीवन में बहुत दिलचस्पी होती है। हालांकि, एक व्यक्ति की इसी दिलचस्पी के चलते उन्होंने फिल्मी सितारों के बाल इखट्ठा करने का फैसला कर लिया था। दरअसल, अमेरिका के जॉन रेजनिकॉफ हॉलीवुड सितारों के बालों को संग्रहित करने का शौक रखते हैं। उनके पास एल्विस प्रेस्ली और मैरिलिन मुनरो जैसे कई कलाकारों के बाल मौजूद हैं। इसके अलावा, उन्होंने अब्राहम लिंकन और जॉन एफ कैनेडी के बाल भी संजोकर रखे हैं।

पीठ खुजलाने वाली स्टिक्स का संग्रह

जब भी पीठ पर खुजली होती है तो लोग एक खास तरह की स्टिक का इस्तेमाल करते हैं। इसे 'बैक स्क्रैचर' कहा जाता है, जिसकी मदद से पीठ को आसानी से खुजलाया जा सकता है। मैनफ्रेड एस रोथस्टीन नाम के व्यक्ति को ये स्टिक्स संग्रहित करने का शौक है।

पिज्जा के डिब्बों का संग्रह

सभी लोग पिज्जा खाने के बाद उसके डिब्बों को कचरे के डिब्बे में फेंक देते हैं। हालांकि, ब्रुकलिन के रहने वाले स्कॉट वीनर उन्हें अपने घर में सजाकर रखते हैं। 2013 में स्कॉट ने पिज्जा के 595 डिब्बों को संग्रहित करने का विश्व रिकार्ड बनाकर गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया था। 2008 में इजराइल घूमते समय उन्हें सबसे सुंदर पिज्जा का डिब्बा दिखा था, जिसके बाद ही उन्हें यह संग्रह बनाने की प्रेरणा मिली थी।

कटे हुए नाखूनों का संग्रह

नाखून काटने के बाद उन्हें कचरे के डिब्बे में ही फेंका जाता है। हालांकि, क्या हो अगर कोई उन्हें कीमती वस्तु की तरह जमा करने लगे। ऐसा 'अटलांटिक पाथ' नाम का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने किया। उनके पास अक्टूबर 2013 तक पैर के 24,999 कटे हुए नाखून जमा हो गए थे। हालांकि, ऐसा शौक के लिए नहीं किया जा रहा। वैज्ञानिकों का यह समूह कैंसर के विकास के कारकों का अध्ययन करने के लिए नाखून जमा करता है। नाभि से निकली रुई का संग्रह कपड़ों के रेशों, शरीर के बाल और मृत त्वचा कोशिकाओं के कारण पुरुषों की नाभि में रुई जमा हो जाती है। इसे जमा करके किसी को खुशी मिलती होगी यह सोचकर ही अजीब लगता है। दरअसल, ग्राहम बार्कर नाम के व्यक्ति को यह अजीबो-गरीब शौक है। गिनीज बुक के मुताबिक, उनके पास नाभि की रुई का सबसे बड़ा संग्रह है। उन्होंने संग्रह को रंग और बनावट के आधार पर बांटा है। किसी को नहीं पता कि इसकी वजह क्या है।

परंपरा

उनका मानना है कि पानी की बचत जरूरी है

अनोखी जनजातियां, कभी नहीं नहातीं महिलाएं, फिर भी दिखती हैं अप्सरा जैसी

नामीबिया की हिंबा जनजाति की महिलाएं पानी से नहीं नहातीं, बल्कि जड़ी-बूटियों के धुएं से स्नान करती हैं और विशेष लोशन का उपयोग करती हैं। यह लोशन उनकी त्वचा को नमी, धूप और कीड़ों से बचाता है। उनकी जीवनशैली अनोखी होने के बावजूद वे बेहद आकर्षक दिखती हैं। दुनिया में कई अनोखी परंपराएं हैं, लेकिन नामीबिया की हिंबा जनजाति की परंपरा सबसे अलग है। इस जनजाति के लोग पानी से नहाना लगभग छोड़ चुके हैं। उनका मानना है कि पानी की बचत जरूरी है। शरीर को साफ रखने के लिए अन्य प्राकृतिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से वे जड़ी-बूटियों के धुएं से स्नान करते हैं। यह तरीका उन्हें साफ-सुथरा और स्वस्थ रखता है।

धुएं और लोशन का खास प्रयोग

हिंबा जनजाति के लोग विभिन्न जड़ी-बूटियों को जलाकर निकलने वाले धुएं से शरीर को साफ करते हैं। यह धुआं शरीर से बैक्टीरिया और गंदगी को दूर करता है। इसके अलावा वे एक खास तरह का लोशन भी लगाते हैं जो पशुओं की चर्बी और हेमाटाइट नामक मिनरल से बनाया जाता है। यह लोशन उनकी त्वचा को नमी देता है, सूरज की तेज किरणों से बचाता है और कीड़ों को भी दूर रखता है।

विशेष लोशन
यह लोशन उनकी त्वचा को नमी, धूप और कीड़ों से बचाता है

साफ-सुथरा
जड़ी-बूटियों को जलाकर निकलने वाले धुएं से शरीर को साफ करते हैं

तालमेल
अनूठी जीवनशैली को बनाए रखते हुए शिक्षा और अन्य सुविधाओं की ओर भी बढ़ रहे हैं

मां बनने की अनूठी रस्म

हिंबा जनजाति में मां बनने की तैयारी भी खास तरीके से की जाती है। गर्भधारण से पहले महिलाओं को बच्चों से जुड़े गीत सुनने और खुद नए गीत बनाने की सलाह दी जाती है। महिला अपने साथी को यह गीत सुनाती है और दोनों मिलकर इसे गाते हैं। गर्भावस्था के दौरान यह गीत दूसरी महिलाओं को भी सिखाया जाता है और बच्चे के जन्म पर भी गाया जाता है। यही गीत बच्चे की पूरी जिंदगी में अलग-अलग अवसरों पर गाया जाता है।

शादी के दिन ही होता है पानी से स्नान

हिंबा महिलाओं के लिए पानी से स्नान करना एक बहुत बड़ी रस्म माना जाता है। माना जाता है कि महिलाएं केवल अपनी शादी के दिन ही पानी से नहाती हैं। उसके बाद वे केवल धुएं और लोशन से ही अपनी स्वच्छता बनाए रखती हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और आज भी लोग इसे निभा रहे हैं।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

हालांकि हिंबा जनजाति अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों को मानती है, लेकिन आधुनिक दुनिया से भी तालमेल बैठा रही है। वे अपनी अनूठी जीवनशैली को बनाए रखते हुए शिक्षा और अन्य सुविधाओं की ओर भी बढ़ रहे हैं। उनकी परंपराएं दुनिया को यह संदेश देती हैं कि स्वच्छता और स्वास्थ्य केवल पानी से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक तरीकों से भी संभव है।

एक ऐसा अनोखा शहर, जहां महीनों तक रहती है रात और हफ्तों तक दिन

नॉर्वे का ट्रॉम्सो शहर अपने अनोखे दिन और रात के चक्र की वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है। यहाँ सर्दियों में सूरज महीनों तक दिखाई नहीं देता और गर्मियों में सूरज हफ़्तों तक आसमान से उतरता ही नहीं। यही वजह है कि इसे आर्कटिक का पेरिस और लैंड ऑफ मिडनाइट सन कहा जाता है।

महीनों तक अंधेरा, फिर लगातार उजाला

नवंबर से जनवरी तक ट्रॉम्सो में सूरज बिल्कुल नहीं निकलता। पूरा शहर अंधेरे में डूबा रहता है। लोग इस वक्त घड़ी और आदतों के हिसाब से दिन-रात का अंदाज़ा लगाते हैं। मई से जुलाई तक सूरज ढलता ही नहीं। आधी रात को भी आसमान नीला और चमकदार रहता है। इस नज़ारे को देखने हर साल हजारों पर्यटक आते हैं।

नॉर्दर्न लाइट्स का जादू

सर्दियों में आसमान हरे और गुलाबी रंग की रोशनी से जगमगा उठता है। इसे नॉर्दर्न लाइट्स या ऑरोरा कहा जाता है। ट्रॉम्सो इसे देखने के लिए दुनिया की सबसे खास जगह है।

लोगों की जिंदगी व त्यौहारों पर असर : लंबे अंधेरे में लोग कृत्रिम रोशनी और विटामिन डी पर निर्भर रहते हैं। वहीं लंबे उजाले में रात को नींद पूरी करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि चारों तरफ दिन जैसा उजाला होता है। ट्रॉम्सो में लोग इस अनोखे अनुभव को त्योहारों के साथ मनाते हैं।

शिक्षा-शोध व पर्यटकों के लिए विशेष

यहां आर्कटिक यूनिवर्सिटी है, जो ध्रुवीय इलाकों और जलवायु पर रिसर्च करती है। वैज्ञानिकों के लिए ट्रॉम्सो किसी प्रयोगशाला से कम नहीं। व्हेल वॉचिंग, डॉग स्लेजिंग और स्कीइंग जैसी रोमांचक एक्टिविटीज़ ट्रॉम्सो को टूरिस्ट्स की फेवरेट जगह बनाती हैं। साथ ही चारों ओर फैली प्राकृतिक सुंदरता इसे और खास बनाती है।

क्यों होता है ऐसा

पृथ्वी अपनी धुरी पर 23.5 डिग्री झुकी हुई है। इसी कारण ध्रुवों के पास गर्मियों में सूरज हफ़्तों तक ढलता नहीं और सर्दियों में उगता नहीं। यही ट्रॉम्सो की सबसे अनोखी पहचान है।

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
न्यूरो सर्जरी विभाग
.सिर की चोट
.रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन
.ब्रेन ट्यूमर
.ब्रेन हेमरेज
आदि का उच्च स्तरीय ईलाज
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

टैटू (गोदना) मिटाये नई लेज़र तकनीक द्वारा
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धनतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

नीले रंग के बेशकीमती हीरे की होगी नीलाम, 200 करोड़ है अनुमानित कीमत

हीरा सबसे कीमती रत्न होता है, जिसकी कीमत आम तौर पर भी ज्यादा ही होती है। हालांकि, अगर वह नीले रंग का हो और शुद्ध हो तो बात ही निराली है। ऐसा ही एक हीरा अब नीलामी के लिए उपलब्ध होने वाला है। यह एक अंगूठी से जुड़ा हुआ है, जो अमेरिका की बागवानी विशेषज्ञ बनी मेलन का हुआ करता था। इस दुर्लभ और बेशकीमती हीरे की अनुमानित कीमत 200 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

इस खास हीरे का नाम 'मेलन ब्लू' है, जो उसके खूबसूरत रंग को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। इसे क्रिस्टीज नामक नीलामीघर द्वारा नीलाम करवाया जाएगा। यह जिनेवा के 'मैग्निफिकेंट ज्वेल्स इवेंट' का हिस्सा रहेगा और 11 नवंबर को बेचा जाएगा। यह हीरा 9.51 कैरेट का है, जो इसे और भी खास बना देता है। नीलामीघर को उम्मीद है कि इस दुर्लभ हीरे की कीमत 100 करोड़ से 200 करोड़ रुपये के बीच लग सकती है।

ओम हॉस्पिटल
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक विभाग
•हर्निया •चर्बी की गांठ •फिस्टुला
•अपेंडिक्स गठान स्तन में बनने वाली गांठ
•दूरबीन से होने वाली समस्त सर्जरी
•पेट से संबंधित समस्त सर्जरी •पाइल्स
•लेजर द्वारा बवासीर का ईलाज
•दूरबीन से हर्निया व गॉल ब्लैडर सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरेरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
ओम डेन्टल हॉस्पिटल, समता कॉलोनी,रायपुर (छ.ग.) मो. 8305948040
#Rajesh

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
CANCER
आप या तो कैंसर का शिकार बन सकते हैं या कैंसर से जीतने वाले।
ज़रूरत है, सही समय पर सही इलाज की।
ब्लड कैंसर, रक्त संबंधी बीमारियों व बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए कुशल टीम
डॉ. विकास गोयल
MD, DM (हीमैटोलॉजिस्ट एवं हीमैटो ऑन्कोलॉजिस्ट)
डॉ. अदम्य गुप्ता
MD, DM (हीमैटोलॉजिस्ट एवं बीएमटी फिजीशियन)
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 07714081010

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद
आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!
स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत
• अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

श्रीमती राणी राठोड, बिलासपुर
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय) 1–1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। बैद्यनाथ कासविन 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री संजय मुळे, राजनांदगाव
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. बैद्यनाथ प्रोस्ट–एड टॅबलेट 1–1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

श्री सुधीर रेगे, धमतरी
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स 1–1 चम्मच सुबह–शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

श्री विरेन्द्र भट्टाचार्य, रायपुर
प्र. मुझे चार साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. बैद्यनाथ सिड्पाईल्स 2–2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। बैद्यनाथ अभयामृत 2–2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 I www.baidyanath.co

FROM THE NATIONAL AWARD WINNING DIRECTOR OF OH MY GOD, 102 NOT OUT
HEER Express
INTRODUCING DIVITA JUNEJA
SAAF SUTHARI PARIVARIK FILM
IN CINEMAS 12th SEP 2025
DIRECTED BY UMESH SHUKLA
PRODUCED BY UMESH SHUKLA ASHISH WAGH MOHIT CHHABRA & SANJAY GROVER

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com